राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोक प्रेरणा

लोहारू से प्रकाशित

प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

RNI No.HARHIN/2022/90426 वर्ष : 03, अंक: 05 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 रविवार, 15 जून 2025 lokparerna@gmail.com +91-9255149495

गाजा प्रस्ताव पर भारत की गैरमौजूदगी शर्मनाक: कांग्रेस

भारत ने हमेशा फलस्तीन का पक्ष लिया, लेकिन इस शानदार विरासत को मलबे में बदल दिया गया

'शानदार विरासत मलबे का ढेर बनी'

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा
कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में युद्धविराम के लिए पेश प्रस्ताव पर मतदान से भारत की गैरमौजूदगी शर्मनाक है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि भारत ने हमेशा फलस्तीन का पक्ष लिया, लेकिन इस शानदार विरासत को मलबे में बदल दिया गया है।

'यह मानवीय त्रासदी'
कांग्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'यह बेहद शर्मनाक है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में युद्धविराम प्रस्ताव पर मतदान से दूरी बनाई। भारत हमेशा से शांति, न्याय और इंसानी अस्मिता का समर्थक रहा है। फलस्तीन में 60 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं और इनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। हजारों लोग भूख से मर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मदद भी रोक दी गई है। यह मानवीय त्रासदी है। भारत ने हमेशा फलस्तीन का समर्थन किया है और यह सिद्धांतों की बात है न कि

रणनीति की, लेकिन आज शानदार विरासत को मलबे में बदल दिया गया है।'

'गाजा की पूरी आबादी को भूख से मरने के लिए छोड़ दिया गया है'
कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहने पर भारत सरकार की आलोचना की। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा कि भारत सरकार ने तब स्टैंड लेने से इनकार कर दिया, जब गाजा में 60 हजार लोग मारे जा चुके हैं और गाजा की पूरी आबादी को बंद करके रखा गया है। और उन्हें भूख से मरने के लिए छोड़ दिया गया है। प्रियंका गांधी ने लिखा कि ये शर्मनाक है कि हमारी सरकार न सिर्फ गाजा के मुद्दे पर चुप है बल्कि इस्त्राइल सरकार के ईरान पर हमले की भी खुशी मना रही है, जबकि ईरान के पूरे नेतृत्व को मार दिया गया है। कांग्रेस महासचिव ने सवाल किया कि देश, संविधान के सिद्धांतों और आजादी के मूल्यों को कैसे छोड़ सकता है। आज दुनिया में भेदभाव बढ़ रहा है, हमें मानवता के लिए आवाज उठानी चाहिए और सच्चाई और अहिंसा के साथ पूरी निडरता के साथ खड़े होना चाहिए।
प्रियंका गांधी ने कहा कि गाजा में भूख से मरने के लिए छोड़ दिया गया है।
प्रियंका गांधी ने लिखा कि ये शर्मनाक है कि हमारी सरकार न सिर्फ गाजा के मुद्दे पर चुप है बल्कि इस्त्राइल सरकार के ईरान पर हमले की भी खुशी मना रही है, जबकि ईरान के पूरे नेतृत्व को मार दिया गया है। कांग्रेस महासचिव ने सवाल किया कि देश, संविधान के सिद्धांतों और आजादी के मूल्यों को कैसे छोड़ सकता है। आज दुनिया में भेदभाव बढ़ रहा है, हमें मानवता के लिए आवाज उठानी चाहिए और सच्चाई और अहिंसा के साथ पूरी निडरता के साथ खड़े होना चाहिए।

विदेश नीति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, खरगे ने पूछा- क्या हमने नैतिक कूटनीति छोड़ दी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा
कांग्रेस ने गाजा संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में प्रस्ताव से भारत के दूरी बनाए रखने को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में 149 देशों ने गाजा में संघर्षविराम के समर्थन में मतदान किया, जबकि भारत उन 19 देशों में शामिल था

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में खरगे ने पूछा कि क्या भारत ने अपने लंबे समय से चले आ रहे नैतिक और गुटनिरपेक्ष कूटनीति के सिद्धांतों को त्याग दिया है उनका कहना है कि भारत हमेशा शांति, संवाद और न्याय का पक्षधर रहा है और पश्चिम एशिया में यही नीति उसकी पहचान रही है। उन्होंने यह भी कहा, ह्ल60 हजार से अधिक लोगों की मौत के बीच भारत का मूकदर्शक बने रहना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह उस नैतिक दायित्व से भी विमुख है जिसे भारत ने दशकों से निभाया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 149 देशों ने गाजा में संघर्षविराम के समर्थन में मतदान किया, जबकि भारत उन 19 देशों में शामिल था जिन्होंने मतदान से परहेज किया। खरगे के अनुसार, यह कदम भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर देता है। उन्होंने याद दिलाया कि 8 अक्टूबर 2023 को कांग्रेस ने इजराइल पर हमास के हमलों की कड़ी निंदा की थी। साथ ही, पार्टी ने 19 अक्टूबर को गाजा में तुरंत संघर्षविराम और मानवीय सहायता की मांग की थी।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव ने मार्सिले में सीएमए सीजीएम नेतृत्व से मुलाकात की

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा
भारत के बढ़ते समुद्री क्षेत्र को प्रदर्शित करते हुए बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के सचिव टीके रामचंद्रन ने फ्रांस के मार्सिले में सीएमए सीजीएम के वैश्विक मुख्यालय का दौरा किया। मंत्रालय के अनुसार यह दौरा इस साल फरवरी में फ्रांस के अपने आधिकारिक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीएमए सीजीएम के साथ ऐतिहासिक बातचीत के सिलसिले में हुआ। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस यात्रा के दौरान सचिव टीके रामचंद्रन ने सीएमए सीजीएम समूह के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। रामचंद्रन ने उनको नौवहन, जहाज निर्माण, कंटेनर टर्मिनल, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और समुद्री औद्योगिक क्षमताओं में भारत में कंपनी की बढ़ती उपस्थिति और संचालन के बारे में जानकारी दी गई। सीएमए सीजीएम नेतृत्व ने फरवरी से अबतक अपनी भारत रणनीति के तहत पांच प्रमुख स्तंभों, भारतीय ध्वज वाले बेड़े का विस्तार, जहाज निर्माण सहयोग, अंतदेर्शीय रसद विकास, समुद्री औद्योगिक निवेश और नवाचार में हुई प्रगति के बारे में बताया। मंत्रालय ने बताया कि अपनी नौवहन पहलों के भाग के रूप में सीएमए सीजीएम ने अपने पहले भारतीय ध्वज वाले जहाजों सीसी विटोरिया और सीसी मनौस को हरी झंडी दिखाई है। इसके साथ ही गुजरात के गिफ्ट सिटी में एक नई भारतीय नौवहन इकाई की स्थापना की है। इसके अलावा जहाज निर्माण में समूह एलएनजी-संचालित कंटेनर जहाजों के लिए भारतीय जहाज निर्माण संस्थाओं के साथ आगे चर्चा कर रहा है, जबकि प्रमुख बंदरगाह और अंतदेर्शीय बुनियादी ढांचे में निवेश प्रगति पर है, जिसमें न्हावा शेवा फ्रीपोर्ट टर्मिनल के विस्तार के लिए 200 मिलियन डॉलर और वधावन पोर्ट परियोजना में भागीदारी शामिल है।
उल्लेखनीय है कि सीएमए सीजीएम वर्तमान में भारत में 2,200 से अधिक डिजिटल पेशेवरों को रोजगार दे रहा है। इसके साथ ही प्रमुख भारतीय शहरों में समुद्री अनुसंधान एवं विकास और नवाचार केंद्रों की स्थापना की संभावना तलाश रहा है।

बीएसएनएल के बाद अब एमटीएनएल पर फोकस की तैयारी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा
महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड की हालत खस्त चल रही है। लगातार कंपनी पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। इसे लेकर संचार राज्य मंत्री डॉ. चन्द्रशेखर पम्मसानी का कहना है कि,सरकार टेलीकॉम कंपनी एमटीएनएल को फिर से मजबूत करने के प्रयास कर रही है। अधिकारियों की एक समिति समस्याओं को पहचान कर समाधान करने में जुटी हुई है। दरअसल,एमटीएनएल पर अभी के समय 33,500 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। इसमें बैंक लोन, सॉवरेन गारंटीड बॉन्ड और टेलीकॉम डिपार्टमेंट से उधारी शामिल है। इसमें से लगभग 8,300 करोड़ रुपये पब्लिक सेक्टर बैंक को चुकाने हैं। जिसमें से ज्यादातर बैंकों ने डिफॉल्टर की कैटेगरी में डाल दिया है। इनमें इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक जैसे लिस्टेड बैंक शामिल हैं। राज्यमंत्री का कहना है कि,वित्तीय दबाव को कम करने के लिए गैर व्यावसायिक संपत्ति को बेचने पर फोकस किया जा रहा है। सरकार ने इसके लिए दो साल की समय सीमा को भी घटाकर सिर्फ 6 से 8 महीने कर दिया है। साथ ही जो संपत्ति 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के हैं उनके लिए नेशनल लैंड मॉनिटाइजेशन कॉर्पोरेशन की मदद ली जा रही है।
केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया और मैं एसेट्स मोनेटाइजेशन के प्रोसेस को बारीकी से निगरानी कर रहे है।

वायुसेना प्रमुख बोले- ऑपरेशन सिंदूर भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का ताजा प्रमाण

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा
वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का एक ताजा प्रमाण है। इस ऑपरेशन ने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की भारतीय वायुसेना की क्षमता को प्रदर्शित किया है।
हैदराबाद स्थित वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने सशस्त्र बलों के बीच असाधारण समन्वय, तालमेल और एकीकरण

को प्रदर्शित किया है। ऑपरेशन सिंदूर वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का एक शानदार उदाहरण है। इसे भारतीय वायुसेना के भविष्य के रूप में आपको समझना होगा कि वायुसेना हमेशा से ही सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाली रही है और रहेगी। भारतीय नागरिकों की ओर से वायुसेना पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि वायुसेना तेजी से एक एयरोस्पेस बल के रूप में विकसित हो रही है। कई युवा अधिकारी अंतरिक्ष में राष्ट्र की अगुवाई करेंगे। इन चुनौतियों के लिए उन्हें अपने काम के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध, केंद्रित और जुनूनी बनना पड़ेगा। उन्होंने स्नातक अधिकारियों को स्वस्थ जीवन शैली के माध्यम से शारीरिक और मानसिक फिटनेस व व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भी प्रेरित किया।

पुरी जगन्नाथ मंदिर ने एएसआई से की अपील, रथ यात्रा से पहले 'रत्न भंडार' की मरम्मत पूरी करें

भुवनेश्वर/लोक प्रेरणा
ओडिशा के पुरी में मौजूद श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से अनुरोध किया है कि वह मंदिर के 'रत्न भंडार' की मरम्मत का काम आगामी रथ यात्रा के दौरान ही पूरा कर ले, जब भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन नौ दिनों के लिए मंदिर से बाहर रहेंगे।

क्या है रत्न भंडार और क्यों है चर्चा में
रत्न भंडार श्री जगन्नाथ मंदिर का वह कक्ष है जहां भगवान के गहने और कीमती वस्तुएं रखी जाती हैं। यह भंडार 46 साल बाद जुलाई 2024 में खोला गया था, जब एएसआई ने उसकी मरम्मत और संरक्षण का कार्य शुरू किया था।
एसजेटीए प्रशासक ने **एएसआई** महानिदेशक को लिखा पत्र
मामले में एसजेटीए के मुख्य प्रशासक और आईएएस अधिकारी अरविंद पदी ने एएसआई के महानिदेशक यदुबीर सिंह रावत को पत्र लिखकर कहा है कि 28 जून से 6 जुलाई के बीच, जब भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा रथ यात्रा पर गुंडिचा मंदिर में रहेंगे, उस दौरान रत्न भंडार की बची हुई मरम्मत पूरी कर ली जाए। बता दें कि, रथ यात्रा इस वर्ष 27 जून को होगी।

पिछले वर्ष भी रथ यात्रा के दौरान खुला था रत्न भंडार
पिछले साल भी रथ यात्रा के दौरान जब देवता मंदिर में नहीं थे, तब रत्न भंडार खोला गया था। वहीं अपने पत्र में अरविंद पदी ने एएसआई को कई अन्य बिंदुओं पर भी निर्देश दिए हैं। जैसे- गर्भगृह का निरीक्षण किसी वरिष्ठ अधिकारी (उप निदेशक या निदेशक स्तर) की तरफ से कराया जाए। अरुण स्तंभ के पास खोंडालाइट पत्थर को सफलतापूर्वक बदलने और अब तक के संरक्षण कार्य के लिए एएसआई को धन्यवाद दिया गया।

मणिपुर: कई घाटी जिलों में 328 हथियार बरामद

इंफाल/लोक प्रेरणा
मणिपुर में हिंसा पर काबू पाने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए चलाए गए एक बड़े अभियान में सुरक्षा बलों ने 328 हथियार बरामद किए हैं। यह तलाशी अभियान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीमों ने घाटी के पांच जिलों में चलाया। मणिपुर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ल्हारी दोरजी ल्हातू ने बताया कि यह अभियान 13 और 14 जून की रात को शुरू किया गया था। उन्होंने बताया, संवेदनशील पांच घाटी

जिलों के बाहरी क्षेत्रों में खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया था। अभियान के दौरान 151 एसएलआर राइफल, 65 इनसास राइफल, 73 अन्य प्रकार की राइफलें, 5 कार्बाइन गन, 2 एमपी-5 गन समेत भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और युद्धक सामग्री बरामद की गईं। उन्होंने इसे शांति बहाली की दिशा में एक "महत्वपूर्ण सफलता" करार दिया और कहा कि इससे राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे पहले, भारतीय सेना और असम राइफल्स ने 'स्पीयर कॉर्प्स' के तहत मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के साथ मिलकर 26 मई से 5 जून के बीच कांगपोकपी, थौबल, ककचिंग, तेंगनौपाल, बिष्णुपुर, जिरीबाम, इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में भी खुफिया सूचनाओं पर आधारित अभियान चलाया था।

नीलांबुर उपचुनाव: भाजपा बोली- तुष्टीकरण के लिए माकपा और कांग्रेस एक-दूसरे से कर रहीं प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली
केरल के नीलांबुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और माकपा पर निशाना साधते हुए इस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल के एंटनी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस और माकपा इंडी गठबंधन में हैं। केरल में वे भाजपा को दूर रखने के लिए एक दिखावटी लड़ाई में हैं। माकपा और कांग्रेस तुष्टीकरण के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अनिल ने एक्स पोस्ट में कहा कि नीलांबुर विधानसभा सीट वायनाड लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। प्रियंका गांधी वहां से सांसद हैं। कांग्रेस अब खुलेआम वेलफेयर पार्टी का समर्थन ले रही है। यह वेलफेयर पार्टी जमात-ए-इस्लामी की राजनीतिक शाखा है, जो एक वैश्विक और इस्लामी संगठन है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना: वायरल वीडियो बनाने वाले किशोर का पुलिस ने दर्ज किया बयान

अहमदाबाद/लोक प्रेरणा
अहमदाबाद में हुई भयावह एअर इंडिया विमान दुर्घटना का वीडियो एक 17 साल के लड़के ने अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया था। जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अहमदाबाद पुलिस ने अब इस किशोर का गवाह के रूप में बयान दर्ज किया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने एक प्रेस विज्ञप्ति में पुष्टि की कि किशोर का बयान गवाह के रूप में लिया गया है। आर्यन असारी नाम का यह किशोर अपने घर की छत पर खड़ा होकर वीडियो बना था। आर्यन नियमित तौर पर, उड़ान भरने वाले विमान का वीडियो बनाता है, लेकिन दुर्भाग्य से इस वीडियो में इतिहास की सबसे बुरी विमान दुर्घटनाओं में से एक दुर्घटना कैद हो गई। गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना हुआ विमान सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत

बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर की इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में विमान में सवार 242 में से 241 यात्रियों और कई अन्य लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने किशोर की गिरफ्तारी की अटकलों को किया खारिज
पुलिस ने इस अटकल को भी खारिज कर दिया कि वीडियो के सिलसिले में उसे हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने कहा, इस वीडियो को बनाने के लिए किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मोबाइल वीडियो की स्क्रीन रिकॉर्डिंग वायरल हुई है।
वीडियो बनाने वाले नाबालिग ने पुलिस को वीडियो का विवरण दिया है। वह अपने पिता के साथ गवाह के तौर पर बयान दर्ज कराने आया था। फिर लड़के को उसके पिता के साथ भेज दिया गया। किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, न ही हिरासत में लिया गया है।

दुर्घटना रिकॉर्डिंग शुरू करने के 24 सेकेंड बाद हुई
आर्यन ने कहा कि दुर्घटना रिकॉर्डिंग शुरू करने के 24 सेकेंड बाद हुई। उन्होंने कहा, मैंने जो कुछ देखा, उससे मैं बहुत डर गया। मेरी बहन ने सबसे पहले मेरा वीडियो देखा और पिता को जानकारी दी। मुझे नहीं पता था कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगा। आर्यन की बहन ने कहा कि वह बहुत डर गया था और इस क्षेत्र में नहीं रहना चाहता था क्योंकि यह बहुत खतरनाक घटना थी। बहन ने कहा, वह ठीक से बोल भी नहीं पा रहा था। आर्यन का परिवार किराये के मकान में रहता है।

दुकान की पुरानी बैटरी चोरी, केस दर्ज

लोक प्रेरणा

लोहारू। बीती रात्रि को देवीलाल चौक स्थित जांगड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स से चोरों द्वारा बैटरी चुराने का मामला संज्ञान में आया है। पीड़ित दुकानदार ने मामले की शिकायत स्थानीय थाने में दी है। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में राजू निवासी पथरवा ने बताया कि उसने देवीलाल चौक पर किराए पर दुकान लेकर बैटरी की दुकान कर रखी है। दुकान के पीछे वाली खाली जगह में पुरानी बैटरी रखी हुई हैं जहां से बीती रात्रि को चोरों ने 2 बैटरी चुरा ली। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

शरीरदान कर महादानी बन गए हरिंद्र इन्सां

एकजोत

कुरुक्षेत्र। डेरा सच्चा सौदा के अनुयायी पिपली निवासी हरिंद्र इन्सां मर कर भी अमर हो गए हैं। अब 48 वर्षीय हरिंद्र कुमार इन्सां का नाम शरीरदानियों में गिना जाएगा। बता दें कि हरिंद्र कुमार इन्सां का शुक्रवार को देहांत हो गया था। उन्होने जीते जी ही शरीरदान करने का फार्म डेरा सच्चा सौदा मे भरा हुआ था। उनकी इच्छा अनुसार हरिंद्र इन्सां के शरीर का दान परिजनों द्वारा किया गया। उनके शरीर को एनसी मेडिकल कॉलेज इसराना पानीपत में भेजा गया है, ताकि मेडिकल के विद्यार्थी उनके शरीर पर शोध कर सकें। शुक्रवार देर सायं जैसे ही उनकी देह को दान के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा था, तो मौजूद लोगों ने नम आंखों से उन्हे विदाई दी व शरीरदानी हरिंद्र इन्सां अमर रहे के नारों से आसमान गुंजायमान हो गया। शरीरदानी हरिंद्र इन्सां के जीजा अशोक माटा ने बताया कि शुक्रवार को हरिंद्र की मृत्यु हो गई। उन्होने जीते जी शरीरदान का फार्म भरा हुआ था। ऐसे मे उनकी इच्छा के अनुसार उनके शरीर का दान किया गया है। वे करियाणा की दुकान चला कर अपना जीवन यापन कर रहे थे। पारिवारिक सदस्य सौरभ माटा, बिमला देवी व सिमरन समेत अन्य लोगों ने हरिंद्र इन्सां को अंतिम विदाई दी।

होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया की हरित भविष्य की दिशा में देशव्यापी पहल

लोक प्रेरणा

करनाल। होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने पर्यावरण सप्ताह 2025 के तहत 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से देशभर में अपनी डीलरशिप नेटवर्क पर कई पर्यावरण जागरूकता और सस्टेनेबिलिटी-केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित कीं। इस पहल का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ज़िम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करना था।

यह अभियान गाज़ियाबाद स्थित हिंदन होंडा डीलरशिप पर एक विशेष कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ, जिसमें एचएमएसआई के वरिष्ठ अधिकारियों झ्र श्री शशांक रजदान (जनरल मैनेजर, रीजनल बिजनेस - सेंट्रल) और श्री रविकुमार अन्नासाहेब फिरगण्णावर (जनरल मैनेजर, रीजनल बिजनेस - सेंट्रल कस्टमर सर्विस) झ्र ने भाग लिया।

इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम ह्यप्लास्टिक प्रदूषण को हराओह्न ने एचएमएसआई की जमीनी गतिविधियों की दिशा तय की। सप्ताहभर चलने वाले इस अभियान के तहत, एचएमएसआई की डीलरशिप्स और सर्विस आउटलेट्स ने देशभर में ग्राहकों और स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय भागीदारी की।

मुख्य गतिविधियों में डीलरशिप पर आने वाले सभी ग्राहकों को पौधों का वितरण, प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्परिणामों पर जागरूकता अभियान, और देश के कई शहरों और कस्बों में 1,25,000 से अधिक पौधारोपण शामिल रहे। इसके अलावा, वाहनों के अधिक स्वच्छ और कुशल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निःशुल्क पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (ढवउ) चेक-अप कैंप भी आयोजित किए गए।

एचएमएसआई अपने प्लांट्स और संचालन इकाइयों में क्लीन टेक्नोलॉजी और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देते हुए, स्थायी निर्माण प्रथाओं को मजबूती दे रही है। पर्यावरण सप्ताह के तहत चलाए गए इस राष्ट्रव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों, डीलरों, कर्मचारियों और नेतृत्व की सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा – ताकि एक स्वच्छ, हरित और टिकाऊ भविष्य की नींव रखी जा सके।

एईएसएल फरीदाबाद की अविका ने नीट यूजी 2025 में हासिल की एआईआर 5

लोक प्रेरणा

फरीदाबाद। देश की प्रमुख टेस्ट प्रिपरेशन संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने आज गर्वपूर्वक घोषणा की कि फरीदाबाद की अविका अग्रवाल ने नीट यूजी 2025 परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 5 प्राप्त कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह असाधारण सफलता अविका की प्रतिबद्धता, शैक्षणिक अनुशासन और एईएसएल द्वारा प्रदान की गई विश्वस्तरीय कोचिंग व मार्गदर्शन का परिणाम है। यह परीक्षा परिणाम आज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित किए गए।

अविका एईएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम की छात्रा रही हैं, जिसे विशेष रूप से नीट जैसी कठिन और प्रतिस्पर्धी मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय एईएसएल द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव, संकल्पनाओं की स्पष्टता और अनुशासित व निरंतर अध्ययन पद्धति को दिया।

अपनी उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए अविका ने कहा, मैं आकाश की बहुत आभारी हूं। इस पूरी यात्रा में मुझे जो मार्गदर्शन, सुव्यवस्थित स्टडी मैटेरियल, विशेषज्ञ शिक्षकों का सहयोग और व्यक्तिगत मेंटरिंग मिली, उसने जटिल विषयों को समझने और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने में मेरी बेहद मदद की। एईएसएल के बिना यह सफलता संभव नहीं थी।

एईएसएल के चीफ अकादमिक व बिजनेस हेड डॉ. यश पाल ने अविका सहित सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा, नीट यूजी 2025 में हमारे छात्रों की शानदार सफलता पर हमें बेहद गर्व है। यह परीक्षा पूरे देश से लाखों छात्रों की भागीदारी के साथ होती है और उसमें टॉप रैंक हासिल करना निश्चित ही कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। इन सफलताओं के पीछे न केवल छात्रों की मेहनत बल्कि उनके माता-पिता का सहयोग और हमारे शिक्षकों की प्रतिबद्धता भी है। हम अविका को उनके उज्ज्वल चिकित्सा करियर के लिए ढेरों शुभकामनाएं देते हैं।

प्रयास-एक कोशिश सामाजिक संगठन ने 9वें स्थापना दिवस पर सब फायर स्टेशन में लगाया वॉटर कूलर

गर्मी के मौसम में शीतल जल प्रबंधन करना पुनीत कार्य: एसडीएम

लोक प्रेरणा

लोहारू। शनिवार को प्रयास-एक कोशिश सामाजिक संगठन द्वारा संगठन के 9 वें स्थापना दिवस पर सब फायर स्टेशन में वाटर कूलर लगाया गया। इस कार्य का शुभारंभ एसडीएम मनोज दलाल ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में ठंडे जल का प्रबंध करना पुनीत कार्य है और हमें इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्ष प्रदीप कुमार तायल ने की। उन्होंने कहा कि प्रयास-एक कोशिश सामाजिक संगठन पिछले कई वर्षों से अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को निभा रहा है और अन्य साथियों के लिए प्रेरणा का कार्य कर रहा है। संगठन के सभी सदस्य जो पिछले 9 वर्षों से सामाजिक कार्य कर रहे हैं इसके लिए बधाई के पात्र हैं। नपा चेयरमैन प्रदीप तायल ने कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज हित के कार्यों में हम सभी को बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। प्रयास संगठन विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है जिसका लाभ आमजन को मिलता है। नगरपालिका इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में हरसंभव सहयोग के सदैव तत्पर है। वॉटर कूलर के उद्घाटन के बाद फायर स्टेशन परिसर में एसडीएम मनोज कुमार दलाल, नगरपालिका अध्यक्ष प्रदीप कुमार तायल व अन्य सदस्यों ने पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। स्टेट अवॉर्डी प्रवक्ता श्याम सुंदर सांगवान ने इस कार्य को समाज हित का कार्य बताते हुए संगठन के कार्यों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए प्रधान महेन्द्र कथूरिया, संस्थापक मास्टर पवन स्वामी और कोषाध्यक्ष डॉ. उमेद जांगिड़ ने बताया कि उनका संगठन पिछले नौ सालों से प्रतिभा सम्मान, खुशियों की दीवार, निःशुल्क बुक बैंक, पौधारोपण, जल संरक्षण, पक्षियों के लिए परिंडा अभियान जैसे अनेकों अभियान चला रहा है जिन्हें आमजन और गणमान्य लोगों का भरपूर सहयोग मिलता है। वॉटर कूलर लगाकर आमजन को समर्पित किया है उसका लाभ आसपास की बस्ती में रहने वाले लोगों को मिलेगा। भविष्य में भी समाज हित के कार्य लगातार जारी रहेंगे। कार्यक्रम में पार्षद अशोक सैनी, पार्षद अजय शर्मा, पार्षद सुनील सोलंकी, पार्षद अंतर सिंह, पार्षद प्रतिनिधि नरेश बड़सीवाल, पार्षद प्रतिनिधि रामबीर, पार्षद प्रतिनिधि अश्वनी सैनी, पूर्व सब इंस्पेक्टर मन्नूराम स्वामी भी शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन सदस्य अजय शर्मा, सरपंच राकेश शर्मा, अमित वालिया, रविन्द्र कसवां, मास्टर प्रवेश श्योराण, कुलदीप स्वामी, शशि जैन, रिंकू प्रजापत, मास्टर राजेश वर्मा, एसएसजे फाउंडेशन से अनिल जोशी, शहीद भगत सिंह कल्याण समिति प्रधान जगदीश जायलवाल ने अपना योगदान दिया।

तोशाम के वार्ड 4 व 19 के निवासियों ने बिजली न आने से परेशान होकर तोशाम बिजली बोर्ड का मुख्य द्वार किया बंद

करीबन 1 घंटे बाद एसडीओ ने आकर खुलवाया गेट

लोक प्रेरणा

तोशाम। तोशाम के वार्ड नंबर 4 व 19 के निवासियों ने पिछले तीन दिनों से रात दस बजे से सुबह 10 बजे तक लाईट नहीं आने से परेशान होकर शनिवार को तोशाम बिजली बोर्ड का मुख्य द्वार बंद कर दिया और गेट पर बैठकर नारेबाजी के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इसके करीबन एक घन्टे बाद विभाग के एसडीओ ने मौके पर पहुंचकर गेट खुलवाया। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर मौजूद ग्रामीण निशांत सोनी, महेंद्र, रविन्द्र चौहान, बजरंग, आकाश, मुकेश, अभिजीत, भागू पंघाल ने बताया कि इस भीषण गर्मी में बिजली नहीं आने से उन्हें बहुत ज्यादा परेशानी हो रही है। पिछले दिनों रात के समय बिजली नहीं आने के करण बच्चे व ग्रामीण सो नही पाए। जिसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार को सुबह बिजली निगम कार्यालय का मुख्य द्वार बंद कर दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने इस मौके पर बिजली निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना के बाद एसडीओ मौके पर पहुंचे। एसडीओ ने लोगो को आश्वस्त कर गेट खुलवाया। इस बारे में एसडीओ चेतन ने बताया कि एक दो दिन से केबल में दिक्कत थी अब केबल बदलवा दी गई है जिससे अब बिजली सुचारू रूप से चल रही है। ज्यादा गर्मी के कारण यह दिक्कत थी।

कुरुक्षेत्र में योग मैराथन का यादगार और ऐतिहासिक आयोजन आज

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य स्तरीय योग मैराथन को देंगे हरी झंडी

एकजोत

कुरुक्षेत्र। हरियाणा खेल विभाग के महानिदेशक एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र ब्रह्मसरोवर पर राज्य स्तरीय योग मैराथन को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए प्रशासन और खेल विभाग की तरफ से तमाम प्रबंध पूरे किए है। इस राज्य स्तरीय योग मैराथन को 15 जून को सुबह 6 बजे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी देकर रवाना करेंगे। इस राज्य स्तरीय योग मैराथन में हजारों धावक योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा के लिए दौड़ लगाएंगे। अहम पहलू यह है कि इस मैराथन के पहले 20 प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। हरियाणा खेल विभाग के महानिदेशक एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा व उपायुक्त नेहा सिंह शनिवार को ब्रह्मसरोवर और रूट पर योग मैराथन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस को कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था और वाहनों का रूट डायवर्जन करने के निर्देश दिए। हरियाणा खेल विभाग के महानिदेशक एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि 15 जून को सुबह 6 बजे योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा। जिन युवाओं ने मैराथन में हिस्सा लेना है वे गूगल फॉर्म से आवेदन कर सकते हैं।

लोहारू रेलवे स्टेशन पर जीआरपी व आरपीएफ चलाया संयुक्त जांच अभियान

-यात्रियों को रेल नियमों के प्रति किया जागरूक

लोक प्रेरणा

लोहारू। शनिवार को स्थानीय रेलवे जंक्शन पर जीआरपी व आरपीएफ ने संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। आगामी 21 जून को योग अंतर्राष्ट्रीय दिवस दिवस के मध्यनजर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया।

इस दौरान रेल परिसर में यात्रियों को रेल नियमों के प्रति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जागरूक किया। आरपीएफ चौकी इंचार्ज एसआई पूनम सैनी ने बताया कि सुरक्षा के मध्यनजर यह अभियान चलाया गया है। रेलवे स्टेशन परिसर व बाहर जांच अभियान चलाया जांच अभियान के दौरान रेलवे पुलिस कर्मियों के साथ यात्रियों के सामान की जांच की तथा रेलवे पार्किंग में वाहनों की भी जांच की। इस दौरान यात्रियों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्वों पर आतंकी किसी भी अप्रिय वारदात को अंजाम देने की फिराक में रहते हैं ऐसे में यदि रेलवे स्टेशन व अन्य किसी स्थान पर कोई व्यक्ति संदिग्ध दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। क्योंकि लावारिस बैग में कोई विस्फोट सामग्री भी हो सकती है। इस दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों में भी जांच अभियान चलाया तथा यात्रियों को सुरक्षा दृष्टि से आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ आरपीएफ के श्यामसुंदर, ओमप्रकाश, अब्दुल वाहिद, कंचन,शीशराम, विनोद, जॉनी बीरमती आदि उपस्थित रहे।

सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी चली अपने दादा पूर्व सीएम स्व. चौ. बंसीलाल की राह पर

78 रैंडम सैंपलिंग में 18 फेल पाए जाने पर मंत्री श्रुति चौधरी ने 74 अधिकारियों को किया चार्जशीट

लोक प्रेरणा

भिवानी। प्रदेश की जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी अपने दादा पूर्व मुख्यमंत्री चौ. बंसीलाल व पिता पूर्व मंत्री चौ. सुरेंद्र सिंह के दिखाए मार्ग पर चलते हुए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति को अपनाते हुए अपने कार्य में कोताही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है तथा भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने के उद्देश्य से जमीनी स्तर पर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में मंत्री श्रुति चौधरी ने 74 अधिकारियों को चार्जशीट किया है, जिसमें जल संसाधन एवं सिंचाई विभाग के जेई, एसडीओ, एक्सईन व दो चीफ इंजीनियर शामिल है। जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने सिंचाई विभाग द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यो की सैंपल जांच के आदेश दिए थे, जिसके तहत 78 रैंडम सैंपलिंग लिए गए थे, जिनमें से 18 सैंपल फेल पाए, जिनमें कंक्रटी एवं पाईप आदि के सैंपल थे जिस पर मंत्री

शांतनु मर्डर मामले में आरोपियों को जल्द किया जाएगा गिरफ्तार: डीएसपी

एकजोत

कुरुक्षेत्र। शाहबाद में शांतनु मर्डर मामले में आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस की करीब 7 कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगाई गई हैं। जानकारी देते हुए उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सुनील कुमार ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8 बजे पुलिस को सूचना मिली कि दिल्ली-चंडीगढ़ नैशनल हाईवे-44 पर मारकंडा पुल के पास स्तिथ मीना मार्केट के पास एक व्यक्ति पर गोली चलाई गई हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौका पर पहुंची। पुलिस ने मौका पर पहुंचकर घायल को आदेश मैडिकल हस्पताल पहुंचाया जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मूल रुप से वासी हाल वासी शाहबाद शराब कारोबारी शांतनु के रुप में हुई। पुलिस की सीन आफ क्राईम टीम ने मौका पर पहुंचकर छानबीन की। आरोपी अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर नेशनल हाईवे की दूसरी तरफ भागे। आरोपियों ने एक राहगीर से हथियार की नोक पर मोटर साईकिल छीनी और फरार हो गए। सूचना पर पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक ने जिला कुरुक्षेत्र और साथ लगते जिलों में तुरन्त नाकाबंदी करके आरोपियों को तलाश करने के आदेश दिए। पुलिस अधीक्षक ने अपराध अन्वेषण शाखा-1 व शाखा-2 साहित कई टीमों का गठन करके सर्च अभियान चलाने तथा आरोपियों को शीघ्र पकड़ने के आदेश दिए। शनिवार को मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के हवाले किया गया।

जाट सभा कुरुक्षेत्र ने अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षिर सिंह कुश को किया सम्मानित

एकजोत

कुरुक्षेत्र। जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में जाट सभा के सदस्यों द्वारा स्के मार्शल आर्ट के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षिर सिंह कुश को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जाट सभा के प्रधान कृष्ण श्योकन्द और अन्य सदस्य मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि अक्षिर सिंह कुश पिछले दस वर्षों से स्के मार्शल आर्ट का अभ्यास कर रहे हैं और राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में भाग है लेकर पदक जीत चुके हैं। उन्होंने गत वर्ष ताशकन्द (उज्बेकिस्तान) में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विश्व स्के चैंपियनशिप में 5 से 8 नवम्बर 2024 को भाग लेकर रजत पदक जीता और देश का मान बढ़ाया था। इस महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया व खेल मंत्रालय की सचिव सुजाता चतुवेर्दी ने उनको सम्मानित भी किया था।

गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए लोग जरूर बरतें एहतियात : डॉ. नैन, दोपहर 12 से सायं 03 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए

लोक प्रेरणा

तोशाम। एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने कहा कि आमजन को गर्मी के मौसम के मद्देनजर हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू व हीट वेव का खतरा बढ़ रहा है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाडि?ों, पढने वाले बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम सब लू से बचे रहें। यानी हीट वेव से बचाव इलाज से बेहतर है।

एसडीएम डॉ. नैन ने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें, गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें,

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं...

भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का भरपूर सेवन कर तरोताजा रहें। बच्चों को वाहनों में अकेले छोडकर न जाएं उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, नंगे पांव बाहर न जाने दें, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास जरूर रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत व खलीहान में काम कर रहे हैं, तो समय-समय पर पेड़ या छाया में आसरा अवश्य लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन कतई ना करें। ताजे फल, सलाद तथा हरी सब्जिया और घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 03 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए। यदि बच्चे को चक्कर आए, उल्टी घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो तुरंत चिकित्सक को दिखाएं और उनके परामर्श से ही उन्हें खाने पीने की वस्तुएं दें।

एसडीएम डॉ. नैन ने बताया कि बढ़ती गर्मी में वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की खास देखभाल करें, तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों, तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें, ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो, यदि वे गर्मी से बैचेनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें, उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें,उनके शरीर को ठंडक देने के साथ साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं, उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें। पशु पालन एवं डेयरी विभाग के उपमंडल अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि पालतू जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें, उन्हें घर के भीतर रखें, पीने के पानी के दो बाउल रखें। ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें, यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा जाए वहां दिनभर छाया रहे, अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें, जानवरों को किसी बंद जगह में न रखें, यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं, उन्हें सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम ठंडा हो, कुत्ते को गर्म सतह (पटरी, तारकोल की सडक, गर्म रेत) पर न टहलाएं, किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।

भारत में अगले 6 महीनों में महंगाई दर औसतन 2.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत में महंगाई दर अगले छह महीनों में औसतन 2.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो आरबीआई के 3.5 प्रतिशत के पूर्वानुमान से कम है। यह जानकारी एचएसबीसी की शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एचएसबीसी ग्लोबल रिसर्च के अनुसार, "हमें लगता है कि कम मुद्रास्फीति के आंकड़े पिछले साल के उच्च आधार के कारण हैं। जून के पहले 10 दिनों में सब्जियों की कीमतों में 0-13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।"

मानसून का मौसम जल्दी शुरू हो गया, लेकिन उसके बाद से बारिश धीमी हो गई है। इसके बावजूद, गर्मियों की फसल, खासकर चावल और दालों की बुवाई अच्छी चल रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल के मजबूत अनाज उत्पादन का मतलब है कि अन्न भंडार भरे हुए हैं और सरकार 2 साल की अवधि में अनाज की मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए स्टॉक को धीरे-धीरे जारी करने का विकल्प चुन सकती है।

हेडलाइन और कोर मुद्रास्फीति (सोने को छोड़कर) 2.8 प्रतिशत पर है, जो केंद्रीय बैंक के 4 प्रतिशत लक्ष्य से काफी नीचे है, जबकि खाद्य कीमतों में गिरावट जारी है। खाद्य कीमतें लगातार पांचवें महीने भी अपस्फीति में रहीं, जो मासिक आधार पर 0.2 प्रतिशत कम है। फलों, अंडे, मछली, मांस और चीनी की कीमतों में क्रमिक गति भी सौम्य थी।

सोने की ऊंची कीमतों ने कोर मुद्रास्फीति को ऊंचा रखा है।

सीपीआई बास्केट में सोने की हिस्सेदारी 1.1 प्रतिशत है। हाल के महीनों में पीली धातु की कीमत में 30 प्रतिशत से अधिक

की वृद्धि हुई है। सोने को छोड़कर, कोर मुद्रास्फीति सालाना आधार पर 3.5 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, "अगर सोने की कीमतें 2025 की दूसरी छमाही में गिरती हैं (जैसा कि हमारी कमोडिटी टीम का पूर्वानुमान है), तो कोर मुद्रास्फीति तेजी से गिर सकती है। इसके अलावा, 2025 की शुरूआत की तुलना में मजबूत रुपया और कमोडिटी की गिरती कीमतें संकेत देते हैं कि आने वाले महीनों में कोर मुद्रास्फीति कम रहने की संभावना है।"

एचएसबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है, "हमारा अनुमान है कि अगस्त और अक्टूबर की आरबीआई एमपीसी बैठकों में रेट कट को लेकर कुछ ठहराव आएगा। हालांकि, हमारा मानना ??है कि आरबीआई दिसंबर की बैठक में अंतिम 25 बीपीएस की कटौती करेगा, जिससे 2025 के अंत तक रेपो रेट 5.25 प्रतिशत हो जाएगी।"

दिल्ली के समयपुर बादली में दस साल की मासूम बच्ची से पड़ोसी ने किया दुष्कर्म

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में पड़ोस के फ्लैट में पानी लेने गई एक दस वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस घिनौनी हरकत के मामले में (35 वर्षीय) आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची परिवार के साथ बादली इलाके में किराए के फ्लैट में रहती है।

दरअसल दस साल की पीड़िता सोमवार को पड़ोस के फ्लैट में ठंडा पानी लेने के लिए गई थी। इस दौरान उसका छोटा भाई भी साथ में था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि अंकल ने पहले दोनों को गुड़ खाने के लिए दिया। फिर उसके छोटे भाई को घर भेजकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना से सहमी मासूम बच्ची ने दो दिनों तक अपने परिजन को कुछ नहीं बताया। लेकिन गुरुवार को बच्ची को परेशान देख मासूम की मां ने पूछा, तो उसने पूरी आप बीती बात बताई। इसके बाद तुरंत परिजन थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस दुष्कर्म के आरोपी की तलाश में जुटी है।

एयर इंडिया समेत सभी कंपनियां अपने विमानों की जांच कराएं : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर शुक्रवार को दुख जताया। उन्होंने कहा कि सरकार मामले की जांच शुरू कर चुकी है और जल्द ही हादसे के कारणों का पता चलेगा।

प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, "अहमदाबाद में जो विमान हादसा हुआ, वह बहुत दर्दनाक है। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति मैं अपनी तरफ से संवेदना प्रकट करता हूं। घटना की जांच शुरू हो चुकी है। इससे पता चलेगा कि आखिर कौन सी ऐसी वजह थी कि एक निश्चित ऊंचाई के बाद विमान ऊपर नहीं जा सका।"

उन्होंने कहा कि घटना के बाद भारत सरकार की तरफ से त्वरित कार्रवाई हुई।

गृह मंत्री अमित शाह स्वयं घटनास्थल पर गए थे। नागरिक उड्डयन मंत्री भी गए थे। प्रधानमंत्री भी शुक्रवार सुबह गए थे। मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के सभी वरिष्ठ अधिकारी वहां मौजूद हैं। जांच के बाद ही कारण का पता चलेगा।

भाजपा नेता ने एयर इंडिया समेत सभी विमान सेवा कंपनियों से इस घटना को देखते हुए सभी विमानों की तकनीकी जांच जल्द कराने

की अपील की। उन्होंने कहा कि जांच लोगों के मन में बैठे डर को दूर करेगी।

खंडेलवाल ने हादसे में अपनी जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि विजय रूपाणी का निधन बेहद दुखद है। वह न सिर्फ भाजपा के बल्कि राजनीतिक क्षेत्र के सम्मानित नेता थे। सभी उनका आदर करते थे। उनकी कमी हम सभी को बहुत खलेगी।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे में गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया था। रूपाणी अपनी बेटी से मिलने जा रहे थे। प्लेन रनवे के नजदीक स्थित एक मेडिकल संस्थान पर गिरा था। मेडिकल संस्थान में भी कई डॉक्टरों के हताहत होने की खबर है।

साइबर अपराध पर सीबीआई का शिकंजा, कई राज्यों में छापेमारी

नई दिल्ली । देशभर में साइबर आधारित वित्तीय अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन 'चक्र-वी' के तहत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली, हिसार, लखनऊ, मुंबई, पुणे और नासिक समेत कुल 10 स्थानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई एक संगठित साइबर निवेश धोखाधड़ी के मामले में की गई।

इस दौरान सीबीआई ने मुंबई के कल्याण निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो धोखाधड़ी में सक्रिय रूप से शामिल था। वह साइबर अपराधियों को पहले से सक्रिय सिम कार्ड और ह्यम्यूलह्ल बैंक खातों की आपूर्ति करता था, जिससे इन अवैध गतिविधियों को अंजाम देना संभव हो सका।

दिल्ली के ज्वेलर कर्मचारी के चाकू मारकर 40 लाख के गहनों की लूट,घायल फोर्टिस अस्पताल में भर्ती

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले के थाना सुभाष पैलेस अंतर्गत कोहाट मेट्रो स्टेशन के पास बदमाशों ने चांदनी चौक के एक ज्वेलर कर्मचारी (42 वर्षीय) सुभाष रामका से 40 लाख रुपए के गहने लूट लिए। लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने कर्मचारी को चाकू मारकर घायल कर दिया। घायल कर्मचारी को फोर्टिज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह अपने एक सहयोगी के साथ ज्वेलरों को गहने के नमूने दिखाने के लिए लाए थे।

वहीं पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है। उत्तरी पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर साढ़े तीन बजे एक सूचना पर फोर्टिज अस्पताल पुलिस पहुंची। यहां चाकू लगने से घायल सुभाष रामका का इलाज चल रहा था। पूछताछ पर पता चला कि पीड़ित चांदनी चौके के ज्वेलर पंकज जैन की दुकान में काम करते हैं। दरअसल बृहस्पतिवार दोपहर तीन बजे सुभाष अपने साथी गोपाल के साथ गहने के नमूने लेकर ज्वेलरों को दिखाने कोहाट मेट्रो स्टेशन पहुंचे थे। कुछ देर बाद दो अज्ञात बदमाश सुभाष से बैग छीनने लगे। सुभाष के विरोध करने पर बदमाशों ने उनपर चाकू से हमला कर दिया। घटना के समय गोपाल थोड़ी दूरी पर खड़ा था। बदमाश बैग छीनकर रोहिणी की ओर भाग गए। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर आरोपियों तक पहुंचाने की कोशिश में जुटी है।

भारत-मंगोलिया की रक्षा सहयोग पर द्विपक्षीय वार्ता, सैन्य टुकड़ी भी मौजूद

नई दिल्ली । भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मंगोलिया के रक्षा मंत्रालय के राज्य सचिव ब्रिगेडियर जनरल गंखुयाग देवादोरज के साथ द्विपक्षीय बैठक की। यह द्विपक्षीय वार्ता शुक्रवार को मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में हुई। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को अधिक मजबूत बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

विशेष रूप से नई और उभरती हुई तकनीकी क्षमताओं के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। यह बातचीत भारत-मंगोलिया रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने का प्रयास है। साथ ही इस वार्ता को रक्षा क्षेत्र में आपसी विश्वास और सहयोग को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया है।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शनिवार को उलानबटार में आयोजित बहुराष्ट्रीय संयुक्त सैन्य अभ्यास ह्यखान क्वेस्ट 2025ह्ल के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। इस सैन्य अभ्यास में भारतीय सेना की टुकड़ी भी शामिल हो रही है। वहीं, मंगोलियाई व अमेरिकी सेना भी इस अभ्यास का हिस्सा हैं। इस अभ्यास में शामिल होने वाली भारतीय सेना की टुकड़ी में कुमाऊं रेजिमेंट के 40 जवानों के साथ-साथ अन्य अंगों और सेवाओं के जवान भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एक महिला अधिकारी और दो महिला सैनिक भी टुकड़ी का हिस्सा हैं।

'खान क्वेस्ट 2025' का आयोजन 14 जून से 28 जून तक किया जाएगा। यह अभ्यास विभिन्न देशों की सेनाओं के बीच समन्वय, साझेदारी और सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। भारत और मंगोलिया की सेनाओं के बीच आतंकवाद के खिलाफ किया जा रहा एक महत्वपूर्ण संयुक्त युद्धाभ्यास ह्यनोमैडिक एलीफेंट 2025ह्ल शुक्रवार को पूरा हो गया। भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह इस मौके पर मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में मौजूद रहे। उन्होंने भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास के समापन समारोह की अध्यक्षता की। वह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ मंगोलिया के डिप्टी चीफ ऑफ जनरल स्टाफ ब्रिगेडियर जनरल बाटार बालजिद, मंगोलिया में भारत के राजदूत अतुल एम. गोत्सुरवे तथा डायरेक्टर जनरल, ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स एंड स्ट्रैटेजिक मूवमेंट लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

इजरायल और ईरान मामले में यूएन को हस्तक्षेप करना चाहिए : तारिक अनवर

नई दिल्ली । ईरान में हवाई हमलों को कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने इजरायल की दादागिरी करार दिया है। उन्होंने इस मामले में यूएन से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है।

तारिक अनवर ने कहा कि इजरायल अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल कर रहा है। काफी समय से इजरायल लगातार दादागिरी कर रहा है।

कांग्रेस सांसद का मानना है कि इजरायल की आक्रामकता को कुछ देशों का समर्थन प्राप्त है, जिससे उसका हौसला बढ़ा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अमेरिका जैसे देशों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

उन्होंने कहा कि इससे पहले हमने गाजा और फिलिस्तीन में देखा क्या हुआ है। वहां पर इजरायल के हवाई हमलों में लगातार ह्यूमन राइट्स की अवहेलना हो रही है। दुखद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय चुप्पी साधे हुए है। अमेरिका जैसे देशों को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए।

अहमदाबाद विमान हादसे पर कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि यह अच्छी बात है कि पीएम मोदी वहां गए। इतनी बड़ी घटना हुई है और यह उनके गृह राज्य में हुई है, इसलिए उनका जाना अनिवार्य था। यदि वे नहीं जाते, तो यह अपने आप में गलत होता।

बता दें कि इजरायल-ईरान तनाव के बीच एयर इंडिया ने कई उड़ानों के रूट को डायवर्ट कर दिया है। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि ईरान में मौजूदा स्थिति के कारण वहां के हवाई क्षेत्र को बंद करने और हमारे यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, एयर इंडिया की उड़ानों का मार्ग बदला जा रहा है या उन्हें वापस भेजा जा रहा है।

एयर इंडिया ने प्रभावित उड़ानों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि कौन-सी उड़ानों का रूट बदला गया है और कौन-सी उड़ानें वापस लौट रही हैं। वहीं, भारतीय दूतावास ने भी इजरायल में भारतीय नागरिकों को एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें उन्हें सतर्क रहने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया गया है।

वित्त वर्ष 2025 में भारतीय बैंकों की एसेट क्वालिटी रही मजबूत: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय बैंकों ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान एसेट क्वालिटी को लेकर शानदार सुधार दर्ज करवाया। यह सुधार नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) में कम नेट एडिशन के कारण देखा गया। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, इस ट्रेंड ने बैंक्स को अपनी बैलेंस शीट मजबूत करने में मदद की है, जबकि ऋण लागत में कमी जारी रही है, जिससे समग्र लाभप्रदता में वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक (एससीबी) के लिए ग्रॉस एनपीए (जीएनपीए) अनुपात वित्त वर्ष 2025 के अंत तक 2.3 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो हाल के वर्षों में सबसे कम स्तरों में से एक है।

इस सुधार को स्थिर रिकवरी, हाई राइट-ऑफ और कम स्लिपेज से सपोर्ट मिला है।

पिछले दशक में बैंकों ने बड़े कॉर्पोरेट लोन से रिटेल लेंडिंग पर ध्यान केंद्रित किया है, जो अब कुल एडवांस का 34 प्रतिशत है, जबकि 2015 में यह केवल 19 प्रतिशत था।

औद्योगिक क्षेत्र के एनपीए में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई, जो मार्च 2018 में 22.8 प्रतिशत से घटकर दिसंबर 2024 में केवल 2.7 प्रतिशत रह गई।

कृषि में भी, इसी अवधि में जीएनपीए घटकर 6.2 प्रतिशत रह गया। दिसंबर 2024 में रिटेल सेक्टर के एनपीए 1.2 प्रतिशत पर कम रहे।

केयरएज रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक संजय अग्रवाल ने कहा, "एनपीए में नेट एडिशन मोटे तौर पर कम रहा है, जिससे इस सेक्टर में मुख्य एसेट क्वालिटी नंबर में लगातार कमी देखी जा रही है।"

उन्होंने कहा, "हालांकि, पर्सनल लोन सेगमेंट के तनाव का सामना करने के साथ, नए स्लिपेज बढ़ सकते हैं और रिकवरी धीरे-धीरे कम हो सकती है।"

अग्रवाल ने उच्च ब्याज दरों, विनियामक परिवर्तनों और टैरिफ वृद्धि जैसी वैश्विक बाधाओं जैसे नकारात्मक जोखिमों के बारे में भी चेतावनी दी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी), विशेष रूप से, किसी भी झटके को झेलने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, उनके पास 75 प्रतिशत से 80 प्रतिशत के बीच मजबूत प्रोविजन कवरेज रेश्यो है।

निजी क्षेत्र के बैंकों के पास कुल मिलाकर कम एनपीए होने के साथ-साथ सॉलिड बफर भी हैं।

वित्त वर्ष 2022 में 0.86 प्रतिशत से वित्त वर्ष 2025 में 0.41 प्रतिशत तक ऋण लागत में कमी आई है, जो प्रावधान की कम जरूरतों और बेहतर रिकवरी को दर्शाता है।

इजरायल-ईरान में संघर्ष से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी

नई दिल्ली । ईरान के परमाणु संयंत्रों और मिसाइल फैक्ट्रियों पर इजरायल के हमले के बाद मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 9 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई।

बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 6 डॉलर से अधिक बढ़कर 78 डॉलर प्रति बैरल के पांच महीने के उच्चतम स्तर को पार कर गई।

कार्रवाई के बाद इजरायल ने ईरान से जवाबी कार्रवाई की आशंका के चलते इमरजेंसी घोषित कर दी है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि इससे बड़े पैमाने पर संघर्ष हो सकता है, हालांकि अमेरिका ने इजरायली हमलों में किसी भी तरह से शामिल होने से इनकार किया है।

इजरायल ने यह कार्रवाई अमेरिका

और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर बातचीत में आई खटास के बाद की है।

इस संघर्ष से दुनिया की तेल आपूर्ति पर दबाव पड़ने की संभावना है।

एमके ग्लोबल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान प्रतिदिन लगभग 3.3 मिलियन बैरल (एमबीपीडी) कच्चे तेल का उत्पादन करता है (वैश्विक उत्पादन का करीब 3 प्रतिशत) और लगभग 1.5 एमबीपीडी निर्यात करता है, जिसमें मुख्य आयातक चीन (80 प्रतिशत) और तुर्की है। ईरान होर्मुज स्ट्रेट के उत्तरी किनारे पर भी है, जिसके माध्यम से दुनिया में 20 एमबीपीडी+ कच्चे तेल का व्यापार होता है।

होर्मुज स्ट्रेट मध्य-पूर्व में एक चोक प्वाइंट है। इस मार्ग से सऊदी अरब और यूएई आदि भी शिपिंग करते हैं और पहले भी ईरान ने इसे बंद करने की चेतावनी दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-चीन व्यापार संघर्ष के कारण चीन ने कभी ईरान पर पश्चिमी प्रतिबंधों का पालन नहीं किया और पहले की तरह खरीद जारी रखी, हालांकि पिछले कुछ महीनों में यह बताया गया कि उन्होंने खपत कम कर दी है। हालांकि, भारत कोई ईरानी तेल आयात नहीं करता है।

रिपोर्ट में बताया गया कि पहले भी जब इजरायल ने ईरान पर हमला किया था और ईरान ने जवाबी कार्रवाई की थी और दोनों ने सफलता का दावा किया था और बड़े नुकसान से इनकार किया था, तो तनाव कम हो गया था। हालांकि, इस मामले में अधिक विवरण की प्रतीक्षा है और निकट भविष्य में तेल बाजार अत्यधिक अस्थिर होगा।

उत्तर भारत में प्रचंड गर्मी, दिल्ली में पर्यटकों का हाल बेहाल, मुरादाबाद और बुलढाणा में बारिश से राहत

नई दिल्ली/मुरादाबाद/बुलढाणा । पूरा उत्तर भारत इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास है, जबकि सुबह की 67 प्रतिशत आर्द्रता ने गर्मी को और असहनीय बना दिया है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले दो दिन तक उत्तर भारत में लू और गर्मी से राहत की कोई संभावना नहीं है। दिल्ली के इंडिया गेट पर घूमने आए पर्यटक भीषण गर्मी से परेशान दिखे। हैदराबाद, तेलंगाना, तमिलनाडु और महाराष्ट्र से आए पर्यटकों ने बताया कि उनके शहरों में इतनी गर्मी नहीं है, जितनी दिल्ली में है।

एक पर्यटक ने कहा, ह्लदिल्ली की गर्मी ने हाल बेहाल कर दिया है ह्व लोग टोपी या दुपट्टे से सिर को ढंककर और धूप के चश्मे पहनकर घूमने आ रहे हैं।

पानी और तरल पदार्थों का उपयोग करते हुए वे इंडिया गेट पर चिलचिलाती धूप का मुकाबला कर रहे हैं।

उधर, उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में गुरुवार को अचानक हुई तेज बारिश ने मौसम को सुहावना कर दिया। पिछले कई दिनों से

चिलचिलाती धूप और गर्मी से परेशान लोग बारिश की पहली फुहार के साथ राहत महसूस करने लगे। तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई।

स्थानीय लोगों ने घरों की छतों और बालकनियों पर बारिश का आनंद लिया, जबकि बच्चे साइकिल चलाते और बारिश में भीगते नजर आए।

एक स्थानीय निवासी ने कहा, ह्लबारिश ने गर्मी से बहुत राहत दी है। मौसम अब काफी अच्छा हो गया है ह्व

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में भी गुरुवार सुबह 10:30 बजे से मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाओं के साथ आंधी और भारी बारिश ने क्षेत्र को प्रभावित किया। बुलढाणा शहर में करीब एक घंटे तक बारिश हुई, जिसके कारण कई बड़े पेड़ गिर गए। इससे कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और एक फल विक्रेता को भी नुकसान हुआ। बिजली के खंभे गिरने से शहर और आसपास के गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। गरज और बिजली चमकने से लोग दहशत में रहे।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने उत्तर भारत के कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में 15 जून तक लू (हीटवेव) का रेड अलर्ट है।

Email- lokprerna@gmail.com

45 डिग्री तापमान में सिर्फ पानी पीकर शरीर नहीं रहेगा हाइड्रेट, ये चीजें आएंगी काम

गर्मियों के मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या होना आम बात है. इस तपती गर्मी में अगर हम शरीर का सही से ध्यान नहीं रखते है तो ब्लड प्रेशर का लो होना और चक्कर आने जैसी समस्याएं होने लगती है. अब ऐसे में आपने कई लोगों की कहते सुना होगा कि गर्मियों में पानी खूब पीना चाहिए. पर क्या आप जानते हैं कि केवल पानी पीने से ही शरीर में पानी की कमी पूरी नहीं होती है. इसके साथ आपको डाइट में कुछ और चीजों को भी शामिल करने की जरूरत है.

जब पारा 45 से 50 डिग्री पहुंच जाता है तो बहुत सी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है. इस दौरान चलने वाली गर्म हवाएं जिन्हें लू कहा जाता है उनकी वजह से शरीर में पानी की कमी का डर बनने लग जाता है. कहते हैं कि गर्मी में खूब पानी पीना चाहिए पर जरूरी नहीं है कि ये तरीका आपको डिहाइड्रेशन से बचा सके. इसके साथ अगर कुछ ड्रिंक्स या ठंडी तासीर के फूड्स को डाइट में शामिल नहीं कर रहे हैं तो इससे आप बीमार पड़ सकते हैं.

तरबूज से लेकर बेल के शरबत तक गर्मी में बहुत सारे फ्रूट्स है जिन्हें डाइट में शामिल करके शरीर में पानी की कमी को दूर किया जा सकता है. तो आइए जानते है कि कौन-से फूड्स हैं जिन्हें आपको गर्मी में डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए.

गर्मी में इन फूड्स और ड्रिंक्स को करें डाइट में शामिल

नींबू पानी से मिलेगी ठंडक

नींबू में विटामिन सी और इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं जो शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद करते है. इसलिए आपको रोजाना 1 से 2 गिलास नींबू पानी जरूर पीना चाहिए. ये हेल्दी ड्रिंक स्वाद में भी लाजवाब होती है साथ ही आपके शरीर को एनर्जी देने में भी हेल्प करती है.

छाछ को करें डाइट में शामिल

आप गर्मी के मौसम में छाछ को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं क्योंकि इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं और इसकी तासीर भी ठंडी होती है जिस वजह से ये शरीर को हाइड्रेट रखने और लू से बचाने में मदद करता है.

नारियल पानी है बहुत फायदेमंद

नारियल पानी में करीब 95 प्रतिशत पानी होता है जिसकी वजह से ये डिहाइड्रेशन की समस्या से निजात दिलाने में कारगर होता है. इसकी तासीर भी ठंडी होती है यही कारण है कि ये गर्मियों में पेट को ठंडक पहुंचाने में मदद करता है.

तरबूज जरूर खाएं

गर्मी के मौसम में तरबूज को जरूर अपनी डाइट में शामिल करें. क्योंकि इसमें 90 प्रतिशत पानी होता जिस वजह से ये शरीर में पानी की कमी को दूर करता है. इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर भी होता है जो पाचन संबंधी समस्याओं जैसे कब्ज, एसिडिटी से भी छुटकारा दिलाता है.

खरबूजा भी है फायदेमंद

गर्मी के मौसम में खरबूजे को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं. क्योंकि इसमें भी भरपूर मात्रा में पानी होता है और जरूरी पोषक तत्व भी होते हैं जिस वजह से ये गर्मी में लू से बचाव करने और शरीर को हाइड्रेट रखने में हेल्प करता है.

खीरे को बनाएं डाइट का हिस्सा

गर्मी में खीरा खाना काफी फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें 95 प्रतिशत पानी होता है जो शरीर में पानी की कमी को दूर करता है और शरीर को ठंडा भी रखता है. यहीं नहीं इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी भी होता है जो इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद करता है.

ककड़ी को भी करें डाइट में शामिल

गर्मी के मौसम में सलाद के तौर पर आप ककड़ी को भी अपनी डाइट में शामिल करें. क्योंकि इसमें 92 प्रतिशत पानी होता है जिस वजह से ये शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या को कम करता है और एनर्जी को भी बूस्ट करने में हेल्प करता है.

भारत को चाहिए संदेह से परे एक चुनाव आयोग

सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले %कागज़ात% या दस्तावेज़ों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया

स्वतंत्रता के बाद से ऐसा कभी नहीं हुआ जब भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर लोगों का इतना अविश्वास रहा हो, जितना अब खुलकर व्यक्त किया जा रहा है। ईसीआई को चुनावी लड़ाई में एक तटस्थ अंपायर के रूप में अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से कई मौकों पर ऐसा लगा कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का ही एक विस्तार है। इस संवैधानिक निकाय की स्वायत्तता को कानूनी साधनों के ज़रिए सीमित कर दिया गया है। चुनावों के दौरान, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पक्ष लेता हुआ देखा गया है, खास तौर पर उनके नफरत भरे भाषणों के मामले में, और चुनाव के बाद, यह चुनावी डेटा को भी ब्लॉक कर रहा है।

हरियाणा में चुनाव 5 अक्टूबर 2024 को और महाराष्ट्र में चुनाव नवंबर 2024 में हुए। फिर भी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अब 7-8 महीने की देरी के बाद चुनावी डेटा सौंपने के लिए %सटीक तारीख% मांगनी पड़ रही है। उन्होंने पूछा, %मतदाता सूची सौंपने के लिए चुनाव आयोग द्वारा उठाया गया पहला अच्छा कदम है। क्या चुनाव आयोग कृपया सटीक तारीख की घोषणा कर सकता है, जिस तक यह डेटा डिजिटल, मशीन-पठनीय प्रारूप में सौंप दिया जायेगा?सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले %कागज़ात% या दस्तावेज़ों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया, जिसमें याचिकाकर्ताओं ने कहा कि चुनाव संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2024 नागरिकों की चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण दस्तावेजों तक पहुंच को प्रतिबंधित करके संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन करता है। सरकार ने कहा कि उसे मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता है। यह स्पष्ट था कि चुनावी डेटा प्रदान न करने के लिए सरकार एक इच्छुक पक्ष थी, और ईसीआई भी डेटा नहीं दे रहा है। सवाल यह है कि डेटा को अवरुद्ध करके ईसीआई और मोदी सरकार क्या छिपाना चाहती है? फिर चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता कहां है? और जब सरकार और ईसीआई दोनों द्वारा सावधानीपूर्वक अंधकार बनाये रखा जा रहा है, तो कोई भी व्यक्ति चुनावी प्रक्रिया पर कैसे विश्वास कर सकता है?

मोदी सरकार की इच्छा के अनुसार, चलने का ईसीआई का यह एकमात्र उदाहरण नहीं है। आइए चुनावी बॉन्ड योजना मामले को याद करें। लोकसभा चुनाव 2024 से कुछ महीने पहले ही मोदी सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध घोषित किये जाने और दानदाताओं और लाभार्थी राजनीतिक दलों का विवरण प्रकाशित करने के लिए चुनाव आयोग को आदेश दिये जाने के बाद भी, चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में कुछ तर्क देकर इसे प्रकाशित न करने की पूरी कोशिश की थी। पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद चुनाव आयोग को डेटा प्रकाशित करना पड़ा। चुनाव आयोग को चुनावी बॉन्ड योजना 2018 के अनुसार दानदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता का तर्क देते हुए स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तालमेल बिठाते हुए देखा।

तीन सदस्यीय चुनाव आयोग इतना कमजोर क्यों हो गया है कि उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हुक्म का पालन करना पड़े? ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम 2023 ने दो चुनाव आयुक्तों को संवैधानिक रूप से असुरक्षित बना दिया है। केवल मुख्य चुनाव आयुक्त को ही हटाये जाने के विरुद्ध संवैधानिक रूप से संरक्षण प्राप्त है। उनका कार्यकाल मुख्य चुनाव आयुक्त की इच्छा पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, नये कानून के तहत उन्हें नियुक्त करने का अधिकार अंततः प्रधानमंत्री के पास है, जिसे नियुक्ति समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर सुरक्षित किया गया, जिससे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में निष्पक्षता खत्म हो गयीं। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में कोई पारदर्शिता नहीं रह गयी है।नवंबर 2021 में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सीईसी को पीएमओ के साथ बैठक में शामिल होने के लिए कहा था और सीईसी ने बैठक में भाग लिया था। यह स्पष्ट रूप से पीएमओ द्वारा ईसीआई की अधीनता का मामला था। जब विवाद हुआ, तो केंद्रीय कानून मंत्री ने एक स्पष्टीकरण जारी किया, जिसमें कहा गया कि यह एक नोडल एजेंसी है और चुनाव सुधार से संबंधित कई मुद्दे 2011 से लंबित हैं। पीएमओ ने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक अनौपचारिक बातचीत थी।ईसीआई को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया गया है। इसे 2019 के चुनावों के दौरान हुई घटना में देखा जा सकता है। पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें थीं, जिसमें घृणा की भाषा भी शामिल थी। ईसीआई के बहुमत के फैसले ने उन्हें क्लीन चीट दे दी थी, लेकिन एक चुनाव आयुक्त ने असहमति नोट दिया था। इसके बाद आयकर विभाग ने चुनाव आयुक्त के रूप में उनकी नियुक्ति से पहले की अवधि के लिए उनकी पत्नी को नोटिस जारी किये। इसके बाद असंतुष्ट चुनाव आयुक्त ने बैठकों में भाग लेना भी बंद कर दिया और कहा कि अल्पमत के निर्णयों को बहु-सदस्यीय वैधानिक निकायों द्वारा पालन की जाने वाली सुस्थापित परंपराओं के विपरीततरीके से दबाया जा रहा है।2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक चुनाव आयुक्त ने भी इस्तीफा दे दिया था। कोलकाता में एक बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त और उक्त चुनाव आयुक्त के बीच मतभेद और विवाद भड़क गया था और दिल्ली लौटने के बाद उस चुनाव आयुक्त को इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि नये कानून के तहत चुनाव आयोग को हटाए जाने के खिलाफ संवैधानिक संरक्षण प्राप्त नहीं है।ये कुछ ऐसे मामले हैं जो चुनाव आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता के क्षरण का संकेत देते हैं। ऐसी पृष्ठभूमि में, चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों को सरसरी तौर पर खारिज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया है कि नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में धांधली हुई थी। उन्होंने पांच विशिष्ट कदम बताये जिनके माध्यम से चुनाव में धांधली हुई।पहला कदम ־चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में हेराफेरी करना; दूसरा कदम־ फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना; तीसरा कदम־ मतदान प्रतिशत बढ़ाना; चौथा कदम־ फर्जी मतदान को ठीक उसी जगह लक्षित करना जहां भाजपा को जीतना है; पांचवां कदम־ सुबूत छिपाना -यह देखना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी हताश क्यों थी। लेकिन हेराफेरी मैच फिक्सिंग की तरह है। जो पक्ष धोखा देता है, वह खेल जीत सकता है, लेकिन (यह) संस्थाओं को नुकसान पहुंचायेगा और नतीजों में जनता का विश्वास खत्म कर देगा। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखना चाहिए। खुद ही फैसला करें। जवाब मांगें, गांधी ने कहा।अब कई अन्य विपक्षी नेताओं ने भी जवाब मांगे हैं। लोगों को सीधे चुनाव आयोग से जवाब चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से कथित तौर पर लाभार्थी पार्टी भाजपा और उनके नेता चुनाव आयोग की ओर से जवाब दे रहे हैं।

संपादकीय

जून आते ही आपातकाल की चर्चा शुरु

देश में एक बार फिर आपातकाल पर चर्चा छेड़ी जा चुकी है। पिछले 11 सालों से यह सिलसिला चल ही रहा है कि जून का महीना आते ही आपातकाल की याद दिलाकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके साथ कांग्रेस को भी कटघरे में खड़ा किया जाए। ठीक है कि इतिहास की गलतियों से सबक लेकर वर्तमान सुधारने और भविष्य को संवारने की नसीहत दी जाती रही है। लेकिन यहां मकसद कुछ और ही दिखता है। पहली बात तो यह कि आपातकाल किन हालात में लागू किया गया, संवैधानिक व्यवस्था के तहत ही इस पर फैसला लिया गया या नहीं, अगर उस समय आपातकाल नहीं लगाया जाता तो क्या पूरे देश में अराजकता नहीं फैल जाती, इन बातों पर ईमानदारी से विचार न कर केवल एकतरफा राय थोपी जाती है कि इंदिरा गांधी तानाशाही मानसिकता की थीं, वे सारी शक्ति अपने हाथ में रखना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने आपातकाल लगाया। ऐसे इल्जाम लगाने वाले लोग भूल जाते हैं कि उन्हीं इंदिरा गांधी को फिर से जनता ने ही भारी बहुमत देकर सत्ता पर बिठाया था। खैर, आपातकाल आज से 50 बरस पुरानी बात है और इस एक फैसले के अलावा भी इंदिरा गांधी ने बहुत से अन्य क्रांतिकारी फैसले लिए थे, प्रिवीपर्स का खात्मा, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, परमाणु परीक्षण, बांग्लादेश का निर्माण, इन सब फैसलों की तारीख और साल भाजपा उस तरह से याद क्यों नहीं करती है, जैसे आपातकाल को करती है। यहीं मकसद की बात सिद्ध होती है कि जब अपनी सत्ता की उपलब्धियां गिनाने के लिए कुछ खास न रहे, तो फिर पूर्ववर्ती शासकों की गलतियां गिनाकर ध्यान भटकाया जाए। भाजपा इस समय इसी कार्य में लगी है।

आपातकाल के पचास बरस पर मोदी सरकार के 11 बरस भारी पड़ सकते थे, बशर्ते इस एक दशक में देश को सम्मान और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कोई काम हुआ होता। मगर 11 सालों की याद करें तो सबसे पहले योजना आयोग का खात्मा, फिर नोटबंदी, जीएसटी, लॉकडाउन, किसान आंदोलन, सीएए, एनआरसी, जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लेना, उसे केंद्र शासित राज्य बनाकर दो हिस्सों में बांटना, राम मंदिर उद्घाटन ऐसे कार्य और फैसले ही याद आते हैं। इन सबमें उपलब्धि कम और विवाद ज्यादा खड़े हुए हैं, और जो रही-सही कसर थी, उसे डोनाल्ड ट्रंप के अपमानजनक व्यवहार ने पूरी कर दी।

भारत का वैश्विक स्तर पर अपमान करने की चेष्टा अमेरिका ने शुरु से की, लेकिन नेहरूजी से लेकर बाजपेयीजी और डा. मनमोहन सिंह तक सारे प्रधानमंत्रियों का रुतबा ऐसा था कि अमेरिका कोशिश ही करता रह गया, कभी कामयाब नहीं हुआ। अब डोनाल्ड ट्रंप एक तरफ युद्धविराम पर बार-बार अपना दावा ठोंक रहे हैं और अब अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर पाकिस्तानी जनरल असीम मुनीर को खास न्यौता देकर ट्रंप ने भारत को नीचा दिखाने की चेष्टा की है। इधर कनाडा में होने जा रहे जी-7 को लेकर भी खुलासा हुआ है कि भारत को पहले इसमें आमंत्रित नहीं किया गया था, फिर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने खुद फोन करके प्रधानमंत्री मोदी को आने का न्यौता दिया, लेकिन इससे पहले एक शर्त मनवा ली।

शर्त यह कि कनाडा के साथ कानून प्रवर्तन यानी लॉ इनफोर्समेंट में भारत सहयोग करेगा। नरेन्द्र मोदी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन प्रधानमंत्री कार्नी ने खुद इसकी जानकारी दी है। इसमें हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड का जिक्र खुल कर नहीं किया गया है। लेकिन ये समझना कठिन नहीं है कि कनाडा ने लॉ इनफोर्समेंट सहयोग की शर्त आखिर क्यों रखी। वह पहले भी भारत पर इस हत्या में भागीदार होने का इल्जाम लगा चुका है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास इसी मुद्दे के बाद बढ़ी थी। अब कनाडा अपनी शर्त मनवा कर भारत को न्यौता दे रहा है, इसका कैसा संदेश दुनिया में जाएगा, यह समझा जा सकता है। वैसे भी आखिर किसी समूह की बैठक में भागीदारी के लिए शर्त मानने की बात क्या उचित है, क्या यह भारत के सम्मान को ठेस पहुंचाना नहीं है, यह भी विचारणीय है।विदेश नीति से लेकर घरेलू मसलों तक कई मुद्दों पर इस समय व्यापक चर्चा की जरूरत है।

'मुट्ठी' में शीतलपेय

जून में कायदे से गर्मी की, लू की, लू से मरने वालों की और गर्मी की बीमारियों की चर्चा होनी चाहिए, एसी-कूलर की बिक्री की चर्चा होनी चाहिए, पर हो रही है आंधी-तूफान-बारिश और जल-जमाव की

एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं।जून में कायदे से गर्मी की, लू की, लू से मरने वालों की और गर्मी की बीमारियों की चर्चा होनी चाहिए, एसी-कूलर की बिक्री की चर्चा होनी चाहिए, पर हो रही है आंधी-तूफान-बारिश और जल-जमाव की। इससे भी कम चर्चा है, गर्मी में सर्दी के नाम पर आग लगाने वाली कोल्ड-ड्रिंक कंपनियों की लड़ाई की। गर्मी के साथ इंडियन प्रीमियर लीग% (आईपीएल) का सीजन भी बीत गया और जिस क्रिकेट और %आईपीएल% को बहाना बनाकर पेप्सी और कोक महाभारत सी जंग लड़ा करते थे, उस ट्राफी का प्रायोजक बनने की लड़ाई लड़ते थे, वह न होने पर एक आभासी युद्ध लड़ते थे, विपणन और विज्ञापन जगत अपनी प्रतिभा को इस सीजन के लिए बचाकर रखता था, वह सब इस सीजन में कहीं नहीं दिख रहा।एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं। शीतल-पेय गांव-देहात में भी मिलता है, फैशन की चीज बन गया है, पर इस बार की शांति एक और कारण से ज्यादा चुभने वाली है।इस बार शीतल-पेय बाजार में एक नया खिलाड़ी उतरा है जिसने दमदार दखल दी है। बाजार में आने के साथ ही उसने एक बड़े हिस्से पर कब्जा किया है, स्थापित ब्रांडों को झकझोरा है, वितरकों को निहाल कर दिया है। ग्राहक भी पुरानी कीमत में पेय की मात्रा लगभग दोगुनी पाकर खुश हैं और लग रहा है कि देश का शीतल पेय बाजार बदलने जा रहा है। दशकों पहले मर से गए एक ब्रांड, कैम्पा कोला को पार्ले ड्रिंक्स वाले चौहान से मामूली कीमत पर खरीदकर मुकेश अंबानी और रिलायंस ने एक नए कारोबार में पैर बढ़ाए हैं और वहां के सारे समीकरण बदल दिए है। प्रतिद्वंद्वी ब्रांडों ने कीमत कम की है, मात्रा बढ़ाने की कोशिश भी हो रही है, लेकिन ग्राहक और नीचे तक के वितरक दूसरे ब्रांड से पट जाएं तो काम आसान नहीं रहता। पेप्सी और कोक की तरफ से अभी जवाबी हमला नहीं हुआ है, लेकिन बाजार तो बदलता दिखता है। जानकार मानते हैं कि कैम्पा का शेयर दहाई में आ चुका है।जिस आईपीएल के प्रसारण में कोक और पेप्सी तथा भारत में बिकने वाले उनके सबसे लोकप्रिय ब्रांड थम्सअप के नए-नए विज्ञापनों की बाढ़ रहती थी, एक-दूसरे को गुलाब जामुन और घटिया स्वाद वाला बताया जाता था, जिस लाल को अपना और नीले को दुश्मन बताया जाता था, वैसा इस बार कुछ नहीं है। दक्षिण के एक हीरो का बहुत औसत किस्म का विज्ञापन ही बार-बार दोहराया जा रहा था और सूचना दे रहा था कि कोक-पेप्सी दौर के पहले जिस कैम्पा का जलवा था, वह वापस लौट आया है। पेप्सी ने पार्ले ड्रिंक्स से काफी कुछ खरीदा था, लेकिन इन ब्रांडों को मरने के लिए छोड़ दिया था।पुराने मालिक बिसलेरी में ऐसे लग गए कि इन ब्रांडों को सचमुच भूल गए। उनको कोक-पेप्सी की लड़ाई में गुंजाइश नहीं लगी। अब रिलायंस ने नए क्षेत्र में उतरने के फैसले के साथ इस पुराने ब्रांड पर दांव लगाया है। जानकार मानते हैं कि रिलायंस बड़े स्तर के व्यापार, ग्राहक और वितरक को ज्यादा-से-ज्यादा लाभ देने की रणनीति से धमका रहा है। सांसदों और सरकार के सहारे कायदे-कानून बदलवाना, बाजार और विज्ञापन जगत में मारकाट की %पेप्सी% और कोक वाली रणनीति उसने नहीं अपनाई है।अपने पांव जमाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने तथा बड़ी संख्या में सांसद जुटाकर अपना कानून बनवाने वाली पेप्सी के लिए यह भी कहा जाता है कि उसने एक आयात के बदले तीन निर्यात वाला प्रलोभनकारी दांव भी धोखे वाला खेल किया और जाने किस प्रभाव में समाजवादी कहलाने वाले मंत्री शरद यादव ने उस करार पर दस्तखत कर दिए। उस करार में यह नहीं लिखा था कि-शीतलपेय का जितनी मात्रा में आयात होगा, निर्यात भी शीतलपेय का ही होगा। हमने देखा कि पेप्स ने किस तरह छोटे निर्यातकों को थोड़े ज्यादा पैसे देकर उनके बासमती, चाय, झींगा, मसाले और इसी तरह की चीजों की खेप पर अपना मोहरा लगाकर, अपने निर्यात का कोटा पूरा किया।उसने एक पैसे का भी शीतलपेय निर्यात नहीं किया।कानून बदलते ही कोक भी पधार गया तथा स्वदेशी की ठेकेदारी करने वाले रमेश चौहान ने एक मोटा पैसा लिया और ज्यादातर धंधों से हाथ खींच लिया। उसके बाद काफी कुछ हुआ, लेकिन एक अजीब बात हुई कि थम्सअप ही बाजार-लीडर बना रहा। यह एक अर्थ में शीतलपेय बाजार में देसी स्वाद के बने रहने का प्रमाण था। संभव है मुकेश अंबानी और उनकी टोली को यह चीज कैम्पा के तीनों ब्रांड उतारने की बड़ी वजह लगी हो, पर उनसे भी पहले यह बात पेप्सी जैसी कंपनी को समझ आ गई थी-लस्सी, नींबू पानी और सत्तू का शरबत पीने वालों से भी खतरा देखकर उसने पहले साल से ही आलू, टमाटर, कीनू, अमरूद, अन्नानास वगैरह की खेती और स्नैक्स के कारोबार में हाथ लगाया। नमकीन, भुजिया और चिप्स का धंधा भी जोर-शोर से शुरू किया।देखा-देखी हल्दी राम और बीकानेर वाला टाइप स्थानीय स्नैक-निर्माताओं ने भी बाजार में प्रवेश किया और अब पेप्सी वहां आराम की स्थिति में है। पिछले साल का उसका मुनाफा 883 करोड़ का रहा था, जबकि उसने शीतल पेय के धंधे से लगभग हाथ खींच लिया है। वह अब सिर्फ कन्सट्रेट आयात करके अपने फ्रेंचाईजी वालों को देता है। वरुण ब्रेवरीज को ही लगभग पूरा काम दे दिया गया है। दूसरी ओर कोक के बारे में यह माना जाता है कि उसको भी हिन्दुस्तानी बाजार से ज्यादा लाभ नहीं हो रहा है। उसका धंधा एशिया क्षेत्र में होता है जिसमें जापान जैसे लाभ वाले देश हैं, इसलिए उसका घाटा या कम मुनाफा छुपा रहता है। इन सबके मद्देनजर और बाजार के शुरुआती नतीजों से लगता है कि रिलायंस ने एक और बाजार को मुट्ठी में करने की पहल कर दी है।

न्यूज फ्लैश

एमएसएमई स्टार्टअप्स फोरम-भारत व शारदा यूनिवर्सिटी के बीच हुआ एम.ओ.यू

लोक प्रेरणा
ग्रेटर नोएडा। एमएसएमई स्टार्टअप्स फोरम उत्तर प्रदेश के चेयरमैन श्री सचिन गोयल व शारदा यूनिवर्सिटी के प्रो वाईस चांसलर डॉ पूणार्नंद के बीच छात्रो में उद्यमिता विकास के मुख्य उद्देश्य से एम.ओ.यू. किया गया। कार्यक्रम में अनेक प्रबुद्ध व्यक्तियों के साथ संवाद-समागम का आयोजन किया गया।
सभी वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध उद्यमियों , एवं औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों ने संवाद समागम में उत्तर प्रदेश में भय मुक्त, निवेश अनुकूल, 24 घंटे बिजली, सड़कों का जाल, आदि अनेकतर उद्यम अनुकूल कार्य जो पिछले वर्षों में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा किए गए है, पर माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद प्रेषित किया और यूनिवर्सिटी के युवायो को नवाचार व उद्यम लगाने हेतु प्रोत्साहित करने पर किए जाने वाले आगामी कार्यकर्मो पर विचारो का आदान प्रदान किया।
उपरोक्त कार्यक्रम सभी हित धारकों के लिए अमूल्य रहा। प्रबुद्ध उद्यमियों ने मैन्युफैक्चरर्स को आ रही समस्याओं से भी फैकल्टी को अवगत कराया व छात्रो के द्वारा उनके समाधान के लिए आह्वान किया।
फोरम के द्वारा छात्रो द्वारा शुरू किये जाने वाले स्टॉर्टअप्स व एम०एस०एम०ई० के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।
स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने हेतु नवाचार कार्यक्रम आयोजित करने पर मंथन हुआ।
इस एम ओ यू का उद्देश्य उभरते हुए स्टार्टअप्स को एक साझा मंच प्रदान करना होगा, जहाँ वे अपने विचार प्रस्तुत कर सकें, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन ले सकें और निवेशकों से जुड़ सकें।
इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सचिन गोयल ने कहा, ह्वआज के युग में नवाचार और उद्यमिता ही देश की प्रगति का आधार हैं। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को प्रेरित करते हैं और उन्हें सशक्त बनाते हैं।ह्व
आगामी कार्यक्रमो में अधिक से अधिक स्टार्टअप्सस भाग ले, व अपने प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन करे, इसकी रूपरेखा तैयार की गई।
इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों, निवेशकों और अधिकारियों ने भाग लेकर किस प्रकार छात्रो को लाभान्वित, सलाह और सहयोग प्रदान किया जाए इस विषय पर सार्थक चर्चा की।
दोनों संस्थाओं का उद्देश्य भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।
अनेक एम०एस०एम०ई० & स्टार्टअप्स फोरम के सदस्य जिनमे मुख्यतः जलज मेहता, मनीष गुप्ता, विनोद कुमार व अन्य संगठनों व यूनिवर्सिटी के डॉ. परमानंद झ प्रो-वाइस चांसलर, डॉ. भुवनेश कुमार झ डीन, रिसर्च, डॉ. आर. सी. सिंह झ डीन, एकेडमिक्स, डॉ. मोहित साहनी झ एसोसिएट डीन, रिसर्च एवं समारोह के संयोजक, डॉ. ऋतु कपूर झ निदेशक, स्ट्रैटेजी, डॉ. यशोधरा राज झ सहायक निदेशक, विक्रांत चौधरी झ सहायक निदेशक, ने कार्यक्रम में भाग लिया।

नोएडा प्राधिकरण के मुद्दों को लेकर लखनऊ में मीटिंग आहूत

लोक प्रेरणा
नोएडा। प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार से पुनः भारतीय किसान यूनियन मंच की मीटिंग नोएडा विधायक पंकज सिंह ने महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में नोएडा प्राधिकरण के मुद्दों को लेकर लखनऊ में एक मीटिंग आहूत की।
सभी मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई।
नोएडा प्राधिकरण द्वारा बोर्ड मीटिंग में पास आबादी विनियमावली में संशोधन 450 मीटर से 1000 मीटर जोकि प्रमुख सचिव स्तर पर लंबित है उसको पास करने तथा लागू कराने पर चर्चा हुई।
आबादी विनियमावली में संशोधन ना होना लगातार आबादी निस्तारण के लिए बड़ा अवरोध हुआ है इसको बलपूर्वक उठाया जिससे प्राधिकरण स्तर पर कार्य और तेजी से किया जा सके। अतिक्रमण का मुद्दा भी इसी संशोधन के बाद पूर्ण रूप से सुलझाया जा सकता है।
साथ ही साथ पिछले 8 वर्षों से लगातार किसानों के मुद्दों को पीछे धकेल कर प्राधिकरण द्वारा संतोषजनक कार्य न करने पर संख्यात्मक डाटा संकलित करने के लिए अनुरोध किया।
2950 किसान कोटा के प्लॉट, 5% के प्लॉट का अनुमोदन,
5% के मूल प्लॉट का आवंटन, आबादी विनयमीतीकरण
64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकार व 10% के अतिरिक्त प्लॉट देने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।
प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास से मीटिंग के बाद नोएडा विधायक पंकज सिंह जी ने कहा कि इस वार्ता के पश्चात सचिवालय स्तर पर उचित निर्णय लिए जाएंगे। पूर्व में भी विधानसभा में नोएडा विधायक पंकज सिं ने किसानों के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाया था।
इस मीटिंग के पश्चात किसानों के मुद्दों को बल मिला है और उम्मीद है समाधान भी होगा।
भारतीय किसान यूनियन मंच विधायक का धन्यवाद दिया।

मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित, सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए

लोक प्रेरणा
ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा एडीसीपी सेंट्रल नोएडा हृदेश कठेरिया के साथ पुलिस ऑफिस सूरजपुर में सेंट्रल नोएडा जोन के पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। उनके द्वारा सभी को पुलिस आयुक्त महोदया द्वारा दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा अपराध नियंत्रण, विवेचना निस्तारण, आईजीआरएस प्रकरणों, वांछित अपराधियों एवं गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
स्ट्रीट क्राइम पर प्रभावी रोक लगाने, गश्त/पेट्रोलिंग को बढ़ाने, सड़क पर पुलिस विजिबिलिटी बढ़ाने व अपराधियों को चिन्हित करके उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतु एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। उनके द्वारा थाना प्रभारियों को लंबित माल का निस्तारण करने, लंबित विवेचनाओं को शीघ्र निस्तारित करने व थाना स्तर पर आने वाली शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराये जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

भीषण गर्मी में ट्रैफिक पुलिस को राहत, कैनोपी और छाते वितरित

नोएडा : भीषण गर्मी में ट्रैफिक पुलिस को राहत, कैनोपी और छाते वितरितनोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है और सरकार ने हीटवेव को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है।
इस भीषण गर्मी में सड़कों पर ड्यूटी निभाने वाले ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की सुरक्षा के लिए नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं।
डीसीपी (ट्रैफिक) लखन यादव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि जिले के 35 प्रमुख चौराहों पर कैनोपी लगाई गई है, ताकि पुलिसकर्मी धूप से बच सकें। इसके अलावा, 100 से अधिक ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को छाते, पानी, ग्लूकोज और इलेक्ट्रॉल जैसी राहत सामग्री वितरित की गई है।
लखन यादव ने कहा, "ट्रैफिक पुलिस का काम ऐसा है कि उन्हें हर मौसम में सड़कों पर रहना पड़ता है। गर्मी के इस प्रकोप में उनकी सेहत और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।"
उन्होंने बताया कि धूप से बचाव के लिए सभी पुलिसकर्मियों के लिए छाते अनिवार्य कर दिए गए हैं। इसके साथ ही, सरकार ने पहले ही तापमान नियंत्रित हेलमेट वितरित किए हैं, जिन्हें पहनना भी अनिवार्य है। इन हेलमेट्स से गर्मी का असर कम करने में मदद मिलती है। नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने कुछ चौराहों पर ठंडा पानी, ग्लूकोज, छाछ और लस्सी की व्यवस्था भी की है ताकि पुलिसकर्मी डिहाइड्रेशन से बच सकें।
डीसीपी ने बताया कि ये कदम ट्रैफिक पुलिस की कार्यक्षमता बनाए रखने और उनकी सेहत की रक्षा के लिए उठाए गए हैं।
उन्होंने कहा, "हमारी कोशिश है कि पुलिसकर्मी इस भीषण गर्मी में भी पूरी मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभा सकें।"
उत्तर प्रदेश में इस समय भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 13 जून को राज्य के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया और अगले कुछ दिनों तक इसमें कोई खास राहत की उम्मीद नहीं है।
नोएडा, लखनऊ, आगरा, वाराणसी, और प्रयागराज जैसे शहरों में अधिकतम तापमान 42 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जबकि रात में भी तापमान 32 डिग्री से नीचे नहीं जा रहा। उमस भरी गर्मी लोगों को ज्यादा परेशान कर रही है।
मौसम विभाग ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, नोएडा, मथुरा, आगरा, झांसी, और पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बस्ती, आजमगढ़, बलिया जैसे जिलों में रेड अलर्ट और कुछ अन्य जिलों जैसे बागपत, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, और हाथरस में येलो अलर्ट जारी किया है।

ग्रेनो में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर बनाने की योजना

-इनवेस्ट यूपी के सीईओ व एसीईओ ने ग्रेनो प्राधिकरण में की बैठक

लोक प्रेरणा
ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर बनाने की योजना है, जिसमें तमाम मल्टीनेशनल कंपनियों को बिजनेस के लिए जगह उपलब्ध कराया जाएगा। इसी सिलसिले में इनवेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद और एसीईओ शशांक चौधरी ने बृहस्पतिवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ सुमित यादव समेत अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रस्तुतीकरण के जरिए ग्रेटर नोएडा के इंफ्रास्ट्रक्चर को दशार्या गया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार की मंशा है कि ग्रेटर नोएडा में बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां निवेश करें। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक अहम प्लेटफार्म साबित हो सकता है। दरअसल नोएडा एयरपोर्ट का संचालन जल्द शुरू होने को ध्यान में रखते हुए बड़े निवेशकों को आकर्षित करने के मकसद से ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर बनने पर विचार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार विगत वर्ष ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर से जुड़ी पॉलिसी को मंजूरी दे चुकी है। वहीं, दोनों अधिकारियों ने बैठक के बाद इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का भी भ्रमण किया।

कारगिल के शहीदों की स्मृति में एक स्मारक की स्थापना एवं फव्वारे का निर्माण कार्य पूर्ण किया

लोक प्रेरणा
नोएडा। एडा शहर में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के सौन्दर्गीकरण कार्यक्रम के अर्न्तगत दिये गये निर्देशों के अनुरूप सैक्टर-37, नौएडा स्थित कारगिल चौक पर कारगिल युद्ध के शहीदों की स्मृति में एक स्मारक की स्थापना एवं फव्वारे का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। इस कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीर सपूत शहीद विजयंत थापर के पिता वी०एन० थापर एवं आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष कर्नल आई०पी० सिंह, महासचिव श्रीमती कविता जामिल व अन्य पूर्व सैन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह चौक कारगिल के वीर सपुतों की अमरगाथा का प्रतीक है एवं नयी पीढ़ी को उनकी शहादत की याद दिलाएगा।

वैश्विक निवेशकों को रिझाने के लिए जुलाई में होगा ग्लोबल कैपिटल कॉन्क्लेव

नोएडा। वैश्विक निवेशकों को रिझाने के लिए शहर में जुलाई में ग्लोबल कैपिटल कॉन्क्लेव होगा। इसका उद्देश्य दुनिया भर के बड़े पूंजी निवेशकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को ग्रेटर नोएडा में निवेश के अवसरों और अधोसंरचनात्मक सुविधाओं से परिचित कराना है।
यह कॉन्क्लेव इन्वेस्ट यूपी और ग्रेनो प्राधिकरण की संयुक्त पहल होगी, जिसमें अमेरिका, जापान, कोरिया, यूरोप और खाड़ी देशों से निवेशकों और दूतावास प्रतिनिधियों के आने की संभावना है।

न्यू नोएडा के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया तभी शुरू होगी जब मुआवजा दर तय हो जाएगी : सीईओ

नोएडा। न्यू नोएडा के लिए जमीन अधिग्रहण करने की नीति पर काम किया जा रहा है। प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बताया कि अधिग्रहण प्रक्रिया तभी शुरू होगी जब मुआवजा दर तय हो जाएगी। जनपद बुलंदशहर के डीएम से लगातार संपर्क किया जा रहा है। सर्किल रेट के अनुसार जल्द ही मुआवजा की दर तय कर दी जाएंगी। इसके विकास के लिए चिह्नित गांवों में इन दिनों बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण हो रहे। वहीं, इन गांवों की जमीनों को आबादी में दर्ज कराने का भी खेल जारी है।
अधिग्रहण के लिए 1 हजार करोड़ का बजट औद्योगिक विकास को गति देने के लिए शासन ने जनवरी 2021 में दादरी-नोएडा गाजियाबाद विशेष निवेश क्षेत्र (DNGIR) की घोषणा की थी। न्यू नोएडा के विकास के लिए अक्टूबर 2024 में शासन ने अधिसूचना जारी की और इसके विकास का जिम्मा नोएडा प्राधिकरण को सौंपा था।
प्राधिकरण जमीन अधिग्रहण के लिए एक हजार करोड़ का बजट भी स्वीकृत कर चुका है, लेकिन अब तक अधिग्रहण शुरू नहीं हो सका। नए नोएडा में गौतमबुद्ध नगर के अलावा, बुलंदशहर के मिलाकर 80 गांव शामिल है।
संयुक्त बैठक में तय होगी मुआवजा दर मुआवजे की दर दोनों जिलों के प्राधिकरण और प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में तय होनी है। इसके लिए लंबे समय से किसानों से वार्ता भी चल रही है, लेकिन अब तक मुआवजा दर घोषित नहीं हो सकी है।
मुआवजे को लेकर क्या दरें रखी जाएं, इसके लिए नोएडा प्राधिकरण

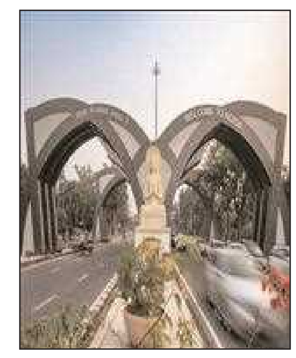

की समिति अध्ययन कर प्रस्ताव तैयार कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड से जो दरें तय होंगी उस हिसाब से ही किसानों से जमीन ली जाएगी।
चार फेज में होना है काम ऊठऊ NGIR 8 गांवों की जमीन पर बसाया जाएगा। इसके मास्टर प्लान को चार फेज में पूरा किया जाएगा। 2023-27 तक इसके 3165 हेक्टेयर को विकसित किया जाएगा। इसी तरह 2027 से 2032 तक 3798 हेक्टेयर एरिया को विकसित किया जाएगा। इसके बाद 2032-37 तक 5908 हेक्टेयर और अंत में 2037-41 तक 8230 हेक्टेयर जमीन को विकसित करने का प्लान है।
आपसी सहमति से ली जाएगी जमीन प्राधिकरण अधिकारी ने बताया कि न्यू नोएडा के लिए जमीन का अधिग्रहण किसानों से आपसी सहमति के आधार किया जाएगा। यहां मुआवजा रेट क्या होगा इस पर विस्तार से चर्चा की गई। हालांकि अभी कोई निर्णायक फैसला नहीं हुआ है।
सबसे पहले 15 गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। जबकि न्यू नोएडा को 80 गांवों की जमीन पर बसाया जाएगा। प्रत्येक गांव में करीब 200 किसान परिवार है। यानी कुल 16 हजार किसान परिवार है। जिनके साथ बैठक की जाएगी। पहले फेज में 3165 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है।
इस शहर का मास्टर प्लान के अनुसार क्या किया गया ब्रेकअप

लैंड यूज	हेक्टेयर
रेजिडेंशियल	2810.54
कॉमर्शियल	849.97
पीएसपी इंस्टीट्यूशनल	1739.93
फैसिलिटी / यूटिलिटी	195.97
इंडस्ट्री	8420
ग्रीन पार्क	1792.26
ग्रीन बेल्ट एंड बफर	1432.73
रिक्रियेशनल	530.22
वाटर बॉडी	122.77
ट्रैफिक और ट्रांसपोर्टेशन	2963.61.

अतिक्रमण के खिलाफ ग्रेनो प्राधिकरण चलाएगा बड़ा अभियान

अर्जित जमीन पर बिना नोटिस अतिक्रमण तोड़ेगा प्राधिकरण

लोक प्रेरणा
ग्रेटर नोएडा। अधिसूचित एरिया में अवैध निर्माण कर जमीन कब्जाने वालों से अब सख्ती से निपटा जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, पुलिस और प्रशासन ने मिलकर कार्रवाई करने का खाका तैयार किया है। प्राधिकरण ने ग्रामवार एरिया भी चिंहित कर लिया है। एक-एक कर अतिक्रमण पर बुल्डोजर चलाया जाएगा।
दरअसल, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में बिना अनुमति निर्माण करने की इजाजत नहीं है।

प्राधिकरण किसानों से जमीन लेकर मास्टर प्लान के अनुसार उसे विकसित करता है। रोड, बिजली, पानी, सीवर, ग्रीनरी आदि सुविधाएं विकसित करता है। उद्योग, रिहायश, शिक्षण संस्थान, हॉस्पिटल, कॉमर्शियल आदि के लिए जमीन आवंटित करता है। प्राधिकरण ये सभी विकास कार्य मास्टर प्लान के अनुसार करता है, जिससे प्राधिकरण को पता रहता है कि किस एरिया में कितनी आबादी आने वाली है। उसके अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करता है, लेकिन कुछ कालोनाइजर ग्रेटर नोएडा के गांवों के आसपास अवैध कालोनी काटकर शहर के ढांचागत विकास को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। घर के जरूरतमंदों को अपने झांसे में लेकर इन अवैध कालोनियों में उनकी गाढ़ी कमाई लगवा रहे हैं। हालांकि प्राधिकरण की तरफ से लगातार लोगों को आगाह किया जाता है कि इन कालोनाइजरों के चंगुल में फंसकर अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं, फिर भी लोग कालोनाइजरों के चंगुल में फंस रहे हैं। प्राधिकरण अवैध निर्माण को ढहाने की कार्रवाई भी लगातार करता रहता है, लेकिन अब यह कार्रवाई और भी प्रभावी ढंग से किए जाने की योजना बनाई गई है।

फेडरेशन कप रोलर डर्बी 2025 : बिरौंडी के चरण सिंह यूपी टीम में चयनित, नोएडा ट्रायल में दिखाया दम

ग्रेटर नोएडा।ग्रेटर नोएडा के बिरौंडी गांव के युवा खिलाड़ी चरण सिंह ने राष्ट्रीय स्तर की फेडरेशन कप रोलर डर्बी 2025 प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश टीम में जगह बना ली है। यह प्रतिष्ठित टूनामेंट 28 से 30 जून तक बीकानेर, राजस्थान में आयोजित होगा। नोएडा सेक्टर-128 स्थित ह्वआओ जियो स्केटिंग ट्रैक पर आयोजित ट्रायल में चरण सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और प्रदेशभर के खिलाड़ियों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

एयर इंडिया हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि : ग्रेटर नोएडा में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

लोक प्रेरणा
ग्रेटर नोएडा। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट अक171, टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद मेघानी नगर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा देशभर में शोक और स्तब्धता का कारण बना। विमान में सवार सभी 242 यात्रियों की मृत्यु हो गई। मृतकों में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई नागरिक शामिल थे। विमान का मलबा एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास पर गिरा, जिससे और जानमाल का नुकसान हुआ।
यह दुर्घटना बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के इतिहास में पहली घातक घटना के रूप में दर्ज की गई है। हादसे की जांच केंद्र सरकार ने शुरू कर दी है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बोइंग कंपनी व अन्य विशेषज्ञों को भी जांच में शामिल किया गया है।
इस दिल दहला देने वाली दुर्घटना के सभी मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 13 जून की शाम ग्रेटर नोएडा के सिटी पार्क में एक सर्वधर्म श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन बिना

किसी नारेबाजी, कैंडल मार्च या राजनीतिक रंग के, पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ किया गया।
सर्वधर्म एकत्रताः प्रार्थना में शामिल हुए सभी प्रमुख धर्मगुरु। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं एवं जागरूक नागरिकों ने भाग लिया और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थनाएं कीं।
महामंडलेश्वर गोस्वामी सुशील महाराज
उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरूआत "ॐ अकाल मृत्यु हरनाम" श्लोक से की और कहा, यह हादसा मानवता के लिए बहुत बड़ी चेतावनी है। इन निर्दोष यात्रियों की मृत्यु को मैं शहीदों की तरह देखता हूं, क्योंकि इसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। यह एक प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि मानवीय चूक का परिणाम हो सकता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह अकाल मृत्यु किसी को न दे। जब असुर बढ़ता है, तो किसी देव का अवतरण होता है उसे समाप्त करने के लिए झ शायद समय फिर किसी बड़े बदलाव का है।
फादर एंड्रयू कोरिया, सेंट जोसेफ चर्च
ईसाई समुदाय की ओर से श्रद्धांजलि देते हुए फादर एंड्रयू ने कहा, ऐसा लग रहा है जैसे हमारे अपने परिवार का कोई सदस्य चला गया हो। कितने घरों में आज चूल्हा नहीं जला होगा। यह संसार एक अस्थायी ठिकाना है, लेकिन जब ऐसी दुर्घटनाएं होती हैं तो मन में सवाल उठता है झ ईश्वर ने ऐसा क्यों किया? उन सभी परिवारों को ईश्वर संबल दे और मृत आत्माओं को शांति मिले।
ज्ञानी गुरबचन सिंह जी, गुरुद्वारा नॉलेज पार्क
सिख धर्म की ओर से बोलते हुए ज्ञानी जी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, मौत बिना बताये आती है, वह न उम्र देखती है न स्थिति। यह हादसा केवल 45 सेकंड में न जाने कितनी जिंदगियाँ लील गया। गुरुग्रंथ साहिब कहता है कि हमें हर सांस को उपहार की तरह लेना चाहिए। ईश्वर से प्रार्थना है कि वो इन परिवारों को शक्ति दे।
मौलाना मोहम्मद नदीम, नॉलेज पार्क, मस्जिद
इस्लामिक दृष्टिकोण रखते हुए मौलाना साहब ने कहा, हम सभी भाई हैं झ चाहे किसी भी धर्म के हों। आज हम एकजुट होकर इन मासूम जानों के लिए दुआ मांगते हैं। उनके परिवारों की टूट चुकी उम्मीदों और सपनों के लिए हम अल्लाह से सब्र और राहत की दुआ करते हैं।
बौद्ध धर्मगुरु आनंद जी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
बुद्ध धर्म की ओर से गुरु आनंद ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, बुद्ध भगवान ने कहा था झ पाँच बातें निश्चित नहीं होतीः हमारी उम्र, मृत्यु का समय, कारण, स्थान और मृत्यु के बाद की स्थिति। इस घटना ने हमें जीवन की अनिश्चितता का बोध कराया है। हम सभी मृतकों के लिए ध्यान और शांति की प्रार्थना करते हैं।
आचार्य मनीष कौशिक, कथा वाचक
हिंदू धर्म की ओर से उपस्थित आचार्य जी ने श्रीमद्भगवद्गीता का उल्लेख करते हुए कहा, मृत्यु एकमात्र सत्य है, और आत्मा कभी नष्ट नहीं होती झ वह बस यात्रा करती है। जो लोग इस हादसे में मारे गए, उनका पुनर्जन्म होगा और वे अपने अधूरे सपनों को पूरा करेंगे।
कार्यक्रम का समापन मौन श्रद्धांजलि से
कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं के प्रति संवेदना व्यक्त की।
यह सभा नारेबाजी या प्रदर्शन से दूर रहकर एक शांत, संगठित और भावुक वातावरण में संपन्न हुई।
सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने इस बात पर बल दिया कि ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए मानवीय लापरवाहियों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए और तकनीकी सुरक्षा मानकों को और भी सशक्त बनाया जाना चाहिए। यह श्रद्धांजलि सभा एकता, शांति और मानवीय करुणा का प्रतीक बनकर उभरी है।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

विवेचक पर गंभीर आरोप, एसपी सम्भल से की गई शिकायत

संभल (उत्तर प्रदेश)। हयातनगर थाना क्षेत्र के सरायतरीन मोहल्ला नवादा निवासी दिलशाद पुत्र इरशाद ने पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई को शिकायती पत्र सौंपकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि थाना हयातनगर में तैनात विवेचक अर्पणा बंसल ने मामले की निष्पक्ष जांच नहीं की, बल्कि आरोपितों से मोटी रकम लेकर हल्की धारा में चालान कर उन्हें छोड़ दिया।

पीड़ित दिलशाद के मुताबिक, तीन दिन पूर्व आरोपी आलम टाटू, टाटू पुत्रगण टाटशाह अपने दो अन्य साथियों के साथ उसके घर में जबरन घुस आए। आरोप है कि आरोपियों ने दिलशाद की अनुपस्थिति में उसकी पत्नी के साथ अभद्रता की, गाली-गलौच की और विरोध करने पर उसकी पत्नी को पलंग पर गिराकर उसके कपड़े भी फाड़ दिए। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे बचाया। जाते-जाते आरोपी दिलशाद को मुकदमा वापस न लेने पर जान से

मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

दिलशाद का कहना है कि मुख्य आरोपी आलम टाटू व टाटू पर पूर्व में गोकशी, गैंगस्टर एक्ट तथा धारा 307 जैसी गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं और दोनों जेल भी जा चुके हैं। साथ ही इन आरोपियों पर दो वर्ष पूर्व दिलशाद के भाई जुनैद पर जानलेवा हमले का भी केस दर्ज है।

पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने आलम टाटू को तीन दिन तक थाने की हवालात में रखा, लेकिन बाद में धारा 151 के तहत चालान कर छोड़ दिया। इस पर जब दिलशाद ने विवेचक से आपत्ति जताई तो विवेचक ने कथित रूप से जवाब दिया कि ह्लमैं तो 151 में ही चालान करूंगी, जहां जाना हो चले जाओ।

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में कार्रवाई की जाए। दिलशाद ने आशंका जताई कि यदि पुलिस ने जल्द उचित कार्रवाई नहीं की तो आरोपी उसे व उसके परिवार को गंभीर नुकसान पहुँचा सकते हैं।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। वहीं, विवेचक अर्पणा बंसल का पक्ष भी फिलहाल सामने नहीं आया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और दबंग किस्म के अपराधियों पर कानूनी कार्रवाई हो।

वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वालों की आत्मा की शांति के लिए हुई आरती

वाराणसी,। अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों की आत्मा की शांति के लिए उत्तर प्रदेश के वाराणसी में दशाश्वमेध घाट पर आरती की गई, जिसमें हजारों लोग उपस्थित रहे।

गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्र ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "अहमदाबाद में जो विमान दुर्घटना हुई है, उसमें जानें गई हैं। गंगा सेवा निधि द्वारा दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा में दीप दान करके और जो भी श्रद्धालु देश-विदेश से गंगा आरती में उपस्थित हुए हैं, उनसे दो मिनट का मौन मृतकों की शांति के लिए रखा गया। हम सभी भोलेनाथ और भगवती गंगा से मृतकों की आत्मा की शांति और मोक्ष की प्रार्थना करते हैं। मृतकों के परिवारजनों को दुख सहने की ताकत मिले।" अहमदाबाद से गुरुवार दोपहर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान टेक ऑफ करने के तुरंत बाद एक मेडिकल कॉलेज पर गिर गया। विमान के गिरते ही उसमें से आग की लपटें उठने लगीं। विमान में 242 यात्री सवार थे। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कैनेडियन और सात पुर्तगाली थे।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी इस हादसे का शिकार हो गए। उनके निधन की पुष्टि की जा चुकी है। वह 2016 से 2021 के बीच गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री रहे थे।

कांस्टेबल सौरभ हत्याकांड : पुलिस की कार्रवाई पर भड़के नगीना सांसद चंद्रशेखर, सीबीआई जांच की मांग

गाजियाबाद । नोएडा पुलिस के कांस्टेबल सौरभ हत्याकांड के बाद मसूरी थाना क्षेत्र के नाहल गांव में लगातार पुलिस कार्रवाई हो रही है। इसी बीच शुक्रवार को नगीना से सांसद चंद्रशेखर गांव पहुंचे और ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए इस पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की।

चंद्रशेखर ने मीडिया से बातचीत में कहा, "अगर पूरा गांव ही अपराधी है तो सबको जेल में डाल दो। निर्दोष लोगों को तंग करना बंद करो। इस केस की सीबीआई जांच कराई जाए और गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तुरंत सार्वजनिक की जाए।"

उन्होंने आगे कहा कि पुलिस की कार्रवाई से गांव में दहशत है और

परेशान लोगों को डराया जा रहा है। नोएडा पुलिस की टीम 25 मई को गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र में एक आरोपी को पकड़ने के लिए गई थी। आरोपी कादिर पुत्र खुर्शीद थाना मसूरी क्षेत्र के नाहल गांव का रहने वाला था और कई मामलों में पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। 25 मई की रात करीब 11 बजे नोएडा कमिश्नरेट के थाना फेज-3 के उपनिरीक्षक सचिन राठी अपनी टीम के साथ उसके गांव पहुंचे, लेकिन दबिश के दौरान हालात बिगड़ गए। भीड़ जुट गई और पुलिस टीम पर अचानक पथराव और फायरिंग शुरू हो गई। इस हमले में कांस्टेबल सौरभ के सिर में गोली लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हमले में अन्य कांस्टेबल सोनित घायल हो गए। इस घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया।

कांस्टेबल सौरभ की मौत के बाद नोएडा और गाजियाबाद पुलिस लगातार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। अब तक 10 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसमें मुख्य आरोपी कादिर का चचेरा भाई भी शामिल है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। फिलहाल इस कार्रवाई को लेकर नगीना सांसद चंद्रशेखर भड़के हुए हैं।

होटल में ऑनलाइन अश्लीलता फैलाकर ठगी करते दो युवतियों सहित तीन पकड़े, तीन पुलिस को चकमा देकर भागे

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। रेलवे स्टेशन से सटे बजरिया क्षेत्र के एक होटल में ऑनलाइन वीडियो में अश्लील हरकत करके ठगी करने वाले गिरोह का क्राइम ब्रांच की टीम ने पदार्फाश किया है। दो युवती और एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। होटल के कमरे से लैपटॉप, फर्जी आईडी, अश्लील सामग्री और उपकरण बरामद किए गए है।

पकड़ी गई युवतियों ने बताया कि उन्हें 25 हजार रुपये प्रति माह वेतन पर रखा गया है। एक वेबसाइट पर सीधे आनलाइन वीडियो डालने का काम हो रहा था। फर्जी नाम से आइडी बनाई गई थी। पुलिस ने दो युवती और एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो युवती और मास्टरमाइंड सहित तीन सदस्य पुलिस को चकमा देकर भाग गए।

रोजबेल पब्लिक स्कूल के छात्र अमित निषाद को मंत्री, डीएम व भाजपा के महानगर अध्यक्ष ने सम्मानित किया

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । रोजबेल पब्लिक स्कूल के छात्र अमित निषाद को गुरूवार को यूपी बोर्ड की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित किया गया।

अमित को यूपी बोर्ड, सीबीएसई व आईसीएसई बोर्ड की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के लिए आयोजित जनपद स्तरीय समारोह में सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, विशिष्ट अतिथि भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जिलाधिकारी दीपक मीणा व जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने अमित शर्मा को हाईस्कूल की परीक्षा 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 21 हजार रुपए, टेबलेट, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रोजबेल पब्लिक स्कूल के चेयरमैन सरदार जोगेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य धर्मजीत कौर, डायरेक्टर सरदार बलप्रीत सिंह व सरदार यशमीत सिंह ने कहा कि अमित निषाद ने अपनी उपलब्धि से अपने परिवार व स्कूल का ही नहीं जनपद का भी गौरव बढाया है।

विधायक संजीव शर्मा ने ग्राम बहरामपुर स्थित पावर हाउस का निरीक्षण किया

विधायक संजीव शर्मा ने अधिकारियों को शहर के लोगों को लगातार बिजली देने के निर्देश दिए

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । इन दिनों भीषण गर्मी पड रही है। भीषण गर्मी में बिजली की सप्लाई सुचारू रहे और शहर के लोगों को कोई परेशानी ना हो, इसके लिए विधायक संजीव शर्मा हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए वे बिजलीघरों का निरीक्षण करने के साथ बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक भी कर

रहे हैं। इसी कडी में विधायक संजीव शर्मा ने शुक्रवार को पश्चिमाचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के ग्राम बहरामपुर स्थित पावर हाउस का निरीक्षण किया। विधायक संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार अजय चोपड़ा ने बताया कि विधायक संजीव शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिजली की सप्लाई सुचारू रूप से दी जाए।

इन दिनों भीषण गर्मी हो रही है, अतः इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि क्षेत्रीय जनता को कोई परेशानी ना हो। इसके लिए हर संभव प्रयास किया जाए। अधिशासी अभियंता नवम इमरान, उपखण्ड अधिकारी मनीष कुमार, सब स्टेशन ऑपरेटर विकास कुमार के साथ क्षेत्रीय लोग भी मौजूद रहे।

नाईट ड्यूटी में शराबी वार्ड ब्वाय ने की छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

जैदपुर बाराबंकी। नाईट ड्यूटी करते समय स्टाप नर्स के साथ? शराब के नशे में वार्ड ब्वाय द्वारा छेड़छाड़ करने पर पीड़ित ने जैदपुर पुलिस से की शिकायत, पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गयी है?। ज्ञात हो कि जैदपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत एक स्टाप नर्स ने थाना जैदपुर में शिकायत करते हुये बताया कि 12 जून को मेरी नाइट डयू?टी थी रात लगभग 12-बजकर 25 मिनट लेवर रूम में मैं वार्ड ब्वाय ने शराब के नशे में घुसकर जबरदस्ती मुंह दबाने का प्रयास कर मुझ अश्लील हरकतें करने लगा।

समाजसेवी व शिक्षाविद अशोक त्यागी ने गर्मी से राहत दिलाने के लिए छबील लगाकर मीठे शर्बत का वितरण किया

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । वरिष्ठ समाजसेवी व शिक्षाविद अशोक त्यागी ने छबील लगाकर मीठे शर्बत का वितरण किया। हजारों लोगों ने शर्बत ग्रहण कर गर्मी में राहत महसूस की और अशोक त्यागी का धन्यवाद किया। अशोक त्यागी ने प्रहलादगढी वसुंधरा में छबील लगाकर राहगीरों को मीठा शर्बत पिलाया। छबील कई घंटे तक लगी जिसमें राहगीरों के अलावा ठेली-पटरी आदि लगाने वालों ने भी शर्बत ग्रहण किया। अशोक त्यागी ने कहा कि इन दिनों भीषण गर्मी पड रही है। डॉक्टर तो लोगों को घर पर ही रहने की सलाह दे रहे हैं, मगर काम-धंधे या जॉब पर जाने वाले लोगों के लिए यह संभव नहीं है। उन्हें तो गर्मी में भी बाहर निकलना पड रहा है। पहले जगह-जगह प्याउ होती थी तो लोगों को शीतल पानी मिल जाने से गर्मी से कुछ राहत मिल जाती थी। अब प्याउ परम्परा खत्म हो जाने से लोगों खासकर राहगीरों को भीषण गर्मी में

पानी के लिए भटकना पडता है। लोगों की परेशानी को देखते हुए उन्हें गर्मी से राहत दिलाने के लिए ही मीठे शर्बत की छबील लगाकर हजारों लोगों को मीठा शर्बत पिलाया गया।

बाजार करने आए व्यक्ति की अचानक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

कासगंज। जनपद के गंजडुंडवारा कस्बे में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब बाजार करने आए एक व्यक्ति की सड़क किनारे अचानक मौत हो गई। यह घटना अमीर खुसरो स्कूल के पास की बताई जा रही है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव अख्तऊ मंगदपुर निवासी 50 वर्षीय गंगाराम पुत्र ख्याली साइकिल से बाजार करने कस्बा आए थे। जब वह अमीर खुसरो स्कूल के पास पहुंचे तो अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने साइकिल रोकी और सड़क किनारे खड़े हो गए, लेकिन कुछ ही पलों में वह जमीन पर गिर पड़े।

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें उठाने और होश में लाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस और मृतक के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। उधर, जब गंगाराम के परिजन मौके पर पहुंचे तो उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों ने बताया कि गंगाराम पूरी तरह स्वस्थ थे और रोज की तरह ही बाजार करने निकले थे।

दहेज की बलि चढ़ी फिरोजाबाद की बेटी, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

फिरोजाबाद। जिले के दक्षिण थाना क्षेत्र के नक्कारची टोला स्थित बाजे वाली गली में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों ने उसके ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित कर हत्या करने का आरोप लगाया है।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, नक्कारची टोला निवासी जिया उद्दीन ने अपनी बेटी शैजी खान का निकाह 9 मार्च 2021 को अलीगढ़ के थाना सिविल लाइन्स क्षेत्र के सर सैयद नगर स्थित अल शहर अपार्टमेंट निवासी मोहम्मद शीबान के साथ किया था। शादी के दौरान दहेज की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी, लेकिन विवाह के बाद से ही शैजी के ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे।

परिजनों का आरोप है कि ससुराल वालों ने कुछ समय तक नकदी और अन्य चीजें मांगीं, जिसे पूरा किया गया, लेकिन इसके बाद उन्होंने फ्लैट की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर शैजी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा।

6 जून को शैजी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। आरोप है कि उसका पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्य शव को फिरोजाबाद छोड़कर भाग

लखनऊ जेल में बद विचाराधीन बंदी कमरुद्दीन की मौत, परिजनों को ढूढ रही पुलिस

बाराबंकी। जिला कारागार लखनऊ में निरुद्ध विचाराधीन बंदी कमरूद्दीन (उम्र लगभग 50 वर्ष), निवासी खाना बदोश फुटपाथ, थाना कोतवाली नगर, जनपद बाराबंकी की गुरुवार को केजीएमयू लखनऊ में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। वह कई स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित था तथा 14 मई से कारागार में निरुद्ध था। कारागार प्रशासन के अनुसार, बंदी को 5 जून को बलरामपुर चिकित्सालय भेजा गया था, जहाँ से उसे 7 जून को केजीएमयू रेफर किया गया। उपचार के दौरान 12 जून को अपराह्न 5:12 बजे उसकी मृत्यु हो गई। जेल प्रशासन का कहना है कि बंदी द्वारा बताए गए किसी परिजन से संपर्क नहीं हो पा रहा है और न ही कोई शव प्राप्त करने आया है।

अहमदाबाद विमान हादसे में आगरा के नीरज लवानिया और पत्नी की मौत

भाई को फोन कर कहा था '12 घंटे बाद करेंगे बात'

आगरा । गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे में आगरा के निवासी नीरज लवानिया और उनकी पत्नी अपर्णा लवानिया की दुखद मृत्यु हुई। परिजनों ने बताया कि इस हादसे को कभी भूला नहीं सकते हैं। अकोला गांव के लोग काफी दुखी हैं। लोगों का कहना है कि नीरज लवानिया काफी अच्छे व्यक्ति थे। अक्सर गांव आया करते थे। समाज में उनका एक अच्छा नाम था।

नीरज के चचेरे भाई ने बताया कि विमान हादसे के बाद से सभी का बुरा हाल है। वो गुजरात को वडोदरा में रहते थे। उनका व्यवहार बहुत ही अच्छा था। विमान हादसे में उनकी मौत की खबर से गांव के सभी लोग बेहद

ही दुखी हैं। कोई सहन नहीं कर पा रहा है।

नीरज लवानिया के भतीजे शुभम ने बताया कि इस दुखद हादसे की खबर मीडिया के माध्यम से लगी है। एयर इंडिया ने भी बताया है कि इस हादसे में महज एक शख्स की जान ही बची है। परिवार में सभी लोग दुखी हैं कोई यह विश्वास नहीं कर पा रहा है, यह घटना हो गई है। हम तो भगवान से दुआ कर रहे हैं कि हमें ऐसी खबर मिले कि वो ठीक हों। वह वडोदरा में रहते थे, गर्मियों में घूमने के लिए लंदन जा रहे थे। विमान में चाचा-चाची साथ थे।

एक करीबी रिश्तेदार ने बताया कि उनसे गुरुवार को तब बात हुई थी, जब वह टैक्सी में बैठकर वड़ोदरा से अहमदाबाद जा रहे थे। फोन पर नीरज ने बताया था कि उनकी लंदन जाने वाली फ्लाइट 1.30 बजे है और 12 घंटे बाद वह लंदन पहुंच जाएंगे। इसीलिए, आगे बात नहीं हो पाएगी। जब लंदन पहुंच जाऊंगा तब बात हो पाएगी। नीरज के रिश्तेदार के अनुसार, वह लंदन अपने निजी कार्य से जा रहे थे। वह साल 2019 से लगातार वडोदरा शहर में रह रहे थे।

यूपी में पर्यटन की नई उड़ान, राष्ट्रीय स्तर की संभावनाओं से मिल रहे पुख्ता संदेश

लखनऊ । योगी सरकार के प्रयासों से आने वाले समय में यूपी में पर्यटन को और पंख लगेंगे। द वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) ने राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन के परिदृश्य के बारे में जो पूवार्नुमान जताया है, उससे इस बात के पुख्ता संकेत मिल रहे हैं। इन संकेतों में छिपी संभावनाओं को सच में तब्दील करने को योगी सरकार पूरी तरह योजनाबद्ध तरीके से प्रतिबद्ध भी है।

प्रदेश में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की आमद बढ़ने के साथ ही इनके द्वारा यात्रा, रहने, खाने और यादगार के रूप में स्थानीय उत्पादों के खरीदे जाने से अर्थव्यवस्था तो सुधरेगी ही, इससे जुड़े ट्रांसपोर्टेशन, होटल, होम स्टे, गाइड आदि सेक्टर्स में रोजी-रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

डब्ल्यूटीटीसी की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 के राष्ट्रीय पर्यटन संबंधी आंकड़े 2019 के सभी मानकों को पीछे छोड़ चुके हैं। संस्था ने 2030 तक के लिए जो पूवार्नुमान जताए हैं, वे बेहद संभावनाओं वाले हैं। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या, राधाकृष्ण की जन्मभूमि और कर्मस्थली ब्रजभूमि उत्तर प्रदेश में ही है। तीर्थराज प्रयाग, विश्व की सबसे पुरातन नगरी एवं तीनों लोकों से न्यारी शिव की काशी, दुनिया को शांति और अहिंसा के संदेश से प्रकाशित करने वाले भगवान बुद्ध से जुड़े सभी प्रमुख स्थल कुशीनगर, सारनाथ, कपिलवस्तु भी उत्तर प्रदेश में हैं। इन सब वजहों से देश में बढ़ते पर्यटन के कारण यूपी में पर्यटन की संभावना भी बढ़ जाती है। यह हो भी रहा है। सरकारी आंकड़े इसकी तस्दीक भी कर रहे हैं। ऐसा हो इसके लिए संभावना वाले टूरिज्म स्पॉट को केंद्र बनाकर योगी सरकार पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए वैश्विक स्तर की बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है। प्राथमिकता बनाकर चरणबद्ध तरीके से यह काम हो भी रहा है। इसमें केंद्र सरकार का भी विभिन्न योजनाओं के जरिए भरपूर सहयोग मिल रहा है।

डब्ल्यूटीटीसी के अनुसार देश के लिए पर्यटन के लिहाज से साल 2025 रिकॉर्ड ब्रेकिंग हो सकता है। इसकी वजह से देश की अर्थव्यवस्था में इस सेक्टर का योगदान 22 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

संसद चलाने के लिए सरकार को माओवादी पार्टी का साथ मिला, अन्य विपक्षी पार्टियों का विरोध जारी

काठमांडू। गृह मंत्री रमेश लेखक के इस्तीफे की मांग से पीछे हटते हुए माओवादी और सत्तारूढ़ दल के बीच एक सहमति हुई है। पिछले 17 दिनों से संसद की कार्रवाई रोकने वाले प्रमुख विपक्षी दल माओवादी ने आज सत्ता पक्ष के साथ समझौता कर लिया है। हालांकि, बाकी विपक्षी दलों का विरोध अभी भी जारी है। सहमति के मुताबिक माओवादी पार्टी गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग से पीछे हटते हुए संसद को सुचारु रूप से चलने देने में सहयोग करेगी। इसी तरह सरकार मानव तस्करी मामले में निष्पक्ष जांच आगे बढ़ाएगी। इस समझौते के बारे में माओवादी के प्रमुख सचेतक हितराज पांडे ने कहा कि संसद के बजट सत्र को अधिक समय तक रोकना उचित नहीं था इसलिए उनकी पार्टी ने बजट पारित करने के लिए अवरोध को खत्म करने का प्रयास किया है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद मनीष झा ने कहा कि भले ही माओवादी पार्टी सत्ता पक्ष के साथ मिल गई हो, लेकिन मानव तस्करी के संलग्न गृह मंत्री रमेश लेखक के इस्तीफे के बिना उनका अवरोध जारी रहेगा। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के साथ ही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी संसद में अवरोध जारी रखने का फैसला किया है।

सऊदी अरब में बांग्लादेश के 21 पुरुषों समेत 23 हज यात्रियों की मौत

ढाका। बांग्लादेश से इस वर्ष सऊदी अरब हज करने गए 87,100 जायरीन में से 23 की मौत हो गई। इनमें 21 पुरुष और दो महिलाएं हैं। पिछले साल 65 और 2023 में 121 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। इस बीच सऊदी अरब से बांग्लादेश के हाजियों की वापसी शुरू हो चुकी है। द डेली स्टार अखबार की खबर में धार्मिक मामलों के मंत्रालय के हज प्रबंधन पोर्टल के नवीनतम अपडेट के हवाले से बताया गया है कि इस वर्ष सऊदी अरब में हज करते समय कुल 23 बांग्लादेशी तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। मृतकों में 21 पुरुष और दो महिलाएं हैं। इसमें 15 लोगों की मक्का में, सात की मदीना में और एक जायरीन की मौत अराफात में हुई। इस साल जेद्दा, मीना या मुजदलिफा से किसी के मरने की सूचना नहीं है। सऊदी अरब से हज वापसी की उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। बांग्लादेश के 369 यात्रियों को लेकर पहली वापसी हज उड़ान 10 जून को सुबह 10÷54 बजे राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची थी। स्वदेश लौटे जायरीन का बोर्डिंग गेट पर फूलों से स्वागत किया गया। एयरलाइंस के बूथ पर उन्हें जमजम पानी की बोतलें दी गईं। बांग्लादेश धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अनुसार हज उड़ानों का वापसी चरण 10 जुलाई तक जारी रहेगा।

आव्रजन छापेमारी के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी मरीन लॉस एंजिलेस पहुंच

लॉस एंजिलेस। अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े शहर लॉस एंजिल्स में संघीय भवन की सुरक्षा के लिए लगभग 200 अमेरिकी मरीनों को तैनात किया गया है। शहर में वर्तमान प्रशासन के आव्रजन छापों के विरोध में एक सप्ताह से विरोध प्रदर्शन चल रहा है। सेना ने यह जानकारी दी। सेना के मेजर जनरल स्कॉट शेरमेन ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि टास्क फोर्स 51 के कमांडर, जिसमें कैलिफोर्निया आर्मी नेशनल गार्ड के 4,000 से ज्यादा सैनिक और करीब 700 मरीन शामिल हैं, मरीन नागरिक अशांति प्रशिक्षण पूरा कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि मरीन कानून प्रवर्तन गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे। इस बीच लॉस एंजिलेस क्षेत्र में 'विलशायर' संघीय इमारत के बाहर कुछ मरीन को पहरा देते हुए देखा गया विलशायर बुलेवार्ड पर स्थित इस 17 मंजिला संघीय इमारत में कई संघीय कार्यालय स्थित हैं जिसमें अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) का क्षेत्रीय कार्यालय भी शामिल है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम और अन्य स्थानीय अधिकारियों की आपत्ति के बावजूद लॉस एंजिलस में 4,000 से अधिक नेशनल गार्ड सदस्यों और लगभग 700 सक्रिय-ड्यूटी मरीन को भेजने का निर्णय लिया है। अमेरिकी उत्तरी कमान की एक समाचार विज्ञप्ति के अनुसार 2,100 नेशनल गार्ड सैनिकों और 700 मरीन सहित लगभग 2,800 सेवा सदस्यों को ग्रेटर लॉस एंजिलेस क्षेत्र में तैनात किया गया है।

अमेरिकी मदद से ईरान के जवाबी हमलों को निष्क्रिय कर रहा इजरायल

यरूशलम। इजरायल ईरान की ओर से जवाबी में हमले में दागीं मिसाइलों को अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली और एक नौसैनिक विध्वंसक की मदद से निष्क्रिय कर रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने शुक्रवार को आरआईए नोवोस्ती को बताया कि अमेरिका ने इजरायल को ईरान की मिसाइलों को रोकने में मदद दी है। अमेरिकी अधिकारियों ने 'द वाशिंगटन पोस्ट' को बताया कि देश के पास पश्चिम एशिया में जमीन पर आधारित पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली और टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एयर डिफेंस सिस्टम दोनों हैं। अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली, साथ ही पूर्वी भूमध्य सागर में अमेरिकी नौसेना के विध्वंसक का इस्तेमाल इजरायल की ओर बढ़ रही ईरानी मिसाइलों को मार गिराने के लिए किया गया। दैनिक की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के लड़ाकू विमान पश्चिम एशिया में गश्त कर रहे हैं और अमेरिका जहाज समेत अपने सैन्य संसाधन इस क्षेत्र में स्थानांतरित कर रहा है।

फ्रांस में पहले स्थानीय चिकनगुनिया मामले की पुष्टि, स्वास्थ्य अधिकारी इलाके की कर रहे जांच

एजेंसी

पेरिस । फ्रांस में स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस साल का पहला स्थानीय रूप से प्रसारित चिकनगुनिया का मामला दर्ज किया है। चिकनगुनिया मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, प्रोवेंस-आल्प्स-कोट द%अज्यूर (पीएसीए) की क्षेत्रीय स्वास्थ्य एजेंसी (एआरएस) ने बताया कि चिकनगुनिया का पहला मामला फ्रांस के दक्षिणी इलाके वर के एक शहर ला क्रो में मिला है। एआरएस ने कहा, किसी मामले को स्थानीय तब कहा जाता है जब किसी व्यक्ति को यह बीमारी देश के अंदर ही हुई हो और उसमें लक्षणों के शुरू होने से 15 दिन पहले किसी संक्रमित इलाके की यात्रा न की हो। अगर चिकनगुनिया का मामला यात्रा से जुड़ा नहीं है, तो इसका मतलब है कि जो मच्छर यह वायरस फैलाते हैं, वे देश के अंदर ही मौजूद हैं। मामले सामने आने के बाद इलाके के स्वास्थ्य अधिकारी घर-घर

जाकर जांच कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं और किसी व्यक्ति में चिकनगुनिया के लक्षण तो नहीं हैं। एआरएस ने कहा, बीमारी को फैलने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। फ्रांस के बाहर स्थित ला रियूनियन द्वीप पर चिकनगुनिया का प्रकोप काफी बढ़ गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल की शुरुआत से अब तक द्वीप पर 53,749 लोग इस बीमारी से संक्रमित हो चुके हैं और 23 लोगों की मौत हो गई है। इसे देखते हुए अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने हाल ही में कई देशों में चिकनगुनिया के प्रकोप के चलते एक यात्रा संबंधी सलाह जारी की है। इनमें केन्या, मेडागास्कर, मॉरिशस, मायोट, रीयूनियन, सोमालिया और श्रीलंका शामिल हैं। सीडीसी ने कहा, ÷चिकनगुनिया वायरस से संक्रमित ज्यादातर लोगों में कुछ लक्षण विकसित होते हैं। मच्छर के काटने से खुद को बचाकर आप इस बीमारी से बच सकते हैं। इसके लिए कीटनाशक का इस्तेमाल करें, लंबे बाजू की शर्ट और पैंट पहनें, और ऐसे जगहों पर रहें जहां एयर कंडीशनिंग हो या खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगी हो। सीडीसी ने उन यात्रियों को भी टीका लगवाने की सलाह दी है जो चिकनगुनिया बीमारी फैलने वाले इलाके में जा रहे हैं चिकनगुनिया एक वायरल बीमारी है जो मच्छरों के काटने से इंसानों में फैलती है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, थकान, सिरदर्द और शरीर पर दाने शामिल हैं।

मध्य पूर्व में बिगड़े हालात के लिए ईरान जिम्मेदार, इजराइल की रक्षा करेगा फ्रांस-राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

एजेंसी

इस्तांबुल (तुर्किये)/पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि ईरान के हमला करने पर उनका देश इजरायल की रक्षा करेगा। उन्होंने यह जरूर साफ किया कि फ्रांस आक्रामक अभियान में हिस्सा नहीं लेगा। मैक्रों ने ईरान पर इजराइली हवाई हमलों के बाद बढ़े तनाव के जवाब मेंराजनयिक मार्ग की वकालत की। इसके अलावा मैक्रों ने साजो-सामान और सुरक्षा कारणों से फिलिस्तीन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को स्थगित करने की पुष्टि की। तुर्किये की सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलू की खबर में इस पर व्यापक चर्चा की गई है। अनादोलू के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों ने यह घोषणा की। मैक्रों ने कहा कि अगर ईरान जवाबी कार्रवाई में इजराइल पर हमला करता है, तो फ्रांस इजरायल की रक्षा और बचाव के लिए आगे आएगा। उन्होंने कहा कि बढ़े तनाव को खत्म करने के लिए कूटनीतिक मार्ग बेहतर विकल्प हो सकता है। मैक्रों ने कहा, पूरे क्षेत्र में अस्थिरता के बड़े जोखिम का सामना करते हुए फ्रांस अब सभी पक्षों से आग्रह करता है कि वे तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए सबसे अधिक संयम बरतें। ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा एक गंभीर मामला है। एक अस्तित्वगत मामला है। इसे अब बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि ईरान ने सीमित निम्न-स्तरीय यूरेनियम संवर्धन की अनुमति देने वाले अमेरिकी प्रस्ताव को गंभीरता से नहीं लिय। उन्होंने कहा, मैं इसे अत्यंत स्पष्टता के साथ कहता हूं कि ईरान के परमाणु हथियारों की ओर बढ़ने का जोखिम क्षेत्र, यूरोप और व्यापक रूप से सामूहिक स्थिरता के लिए खतरा है।

इजरायली हमले से ईरान के साथ परमाणु समझौता करने में मिल सकती है मदद ÷ ट्रंप

एजेंसी

ह्यूस्टन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि इजरायली हमले से उनके प्रशासन को ईरान के साथ परमाणु समझौता करने में मदद मिल सकती है। मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने जब ट्रंप से पूछा कि क्या इजरायल की बमबारी ने समझौते को खतरे में डाला? इस पर ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। शायद इसके विपरीत। शायद अब यह गंभीरता से बातचीत करेंगे। मैं उन्हें 60 दिनों में डील करने के लिए राजी नहीं कर सका। वह डील के करीब थे, उन्हें यह करना चाहिए था। शायद अब यह हो जाएगा। समाचार एजेंसी ने एक्सियोस की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि ट्रंप ने हमले के बाद पहली बार इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की।रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर हुई इस बातचीत का विवरण देने से इनकार कर दिया है। वह इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहते थे कि नेतन्याहू ने

संयुक्त राज्य अमेरिका से सीधे ऑपरेशन में शामिल होने के लिए कहा था या नहीं।

ट्रंप ने कई मीडिया आउटलेट्स को इंटरव्यू दिए। इस दौरान ट्रंप ने बार-बार ईरान से इजरायल के आगे के हमलों से बचने के लिए परमाणु समझौता करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यह और भी नृशंसहोगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूज से कहा, उन्होंने डील करने का मौका गंवा दिया। अब उनके पास एक और अवसर हो सकता है। हम देखेंगे। ट्रंप ने रॉयटर्स से कहा, वह अभी भी एक डील कर सकते हैं। अभी बहुत देर नहीं हुई है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पोस्ट में लिखा, ईरान को एक डील करनी चाहिए, इससे पहले कि कुछ भी न बचे। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने कतर और कई अन्य अमेरिकी मध्य पूर्व सहयोगियों को इजरायल के ईरान पर हमला करने से कुछ घंटे पहले सूचित किया था। ट्रंप ने वाशिंगटन पोस्ट को बताया कि उन्हें पहले ही पता था कि इजरायल ईरान पर हमला करेगा। उन्होंने कहा, ÷मुझे तारीख पता थी, क्योंकि मैं सब कुछ जानता हूं। मैं सब कुछ जानता हूं। मैं सब कुछ जानता हूं।

'सिंधु जल संधि' पर चेतावनी देने के साथ प्रार्थना भी कर रहे पाकिस्तान के नेता

एजेंसी

ब्रुसेल्स (बेल्जियम)। पाकिस्तान के चेहरे से आतंकवाद का नकाब नोचे जाने के बाद उसके नेता दुनियाभर में द्विअर्थी संवादों से जगहंसाई करवा रहे हैं। पहलगाम में आतंकी हमला करने के बाद भारत के सिंधु जल संधि पर वह गरम होने के साथ चिरौरी (प्रार्थना) भी करते नजर आते हैं। कुछ ऐसा ही ब्रुसेल्स में 13 जून को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कर दिखाया। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, बिलावल ने देश के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि पर्यावरण संसाधनों, खासकर पानी को हथियार में बदलने से क्षेत्र में शांति के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बिलावल ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि के तहत पानी को रोकता है, तो पाकिस्तान के पास इसका कड़ा जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि जैसे समझौतों को कमजोर करने

से क्षेत्रीय शांति को नुकसान पहुंच सकता है और दक्षिण एशिया संघर्ष की ओर बढ़ सकता है। बिलावल ने कहा, भारत की आक्रामकता का जवाब नहीं दिया जाएगा। हम अपनी जमीन पर डटे रहेंगे। बताया गया है कि इससे पहले बिलावल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बेल्जियम के सांसदों, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों और यूरोपीय संसद के प्रमुख सदस्यों से मुलाकात की। इनमें विदेश मामलों की समिति की उपाध्यक्ष कैथलीन डेपोर्टर और पाकिस्तान-बेल्जियम मैत्री समूह के अध्यक्ष फ्रैंकी डेमन शामिल थे। बिलावल ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई की भी आलोचना की।

ईरान ने इजरायल पर दागी मिसाइलें, बढ़ते टकराव के बीच एनएससी की आपात बैठक

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । ईरान ने अपनी न्यूक्लियर फैसिलिटी और नेताओं पर हमले का बदला लेते हुए इजरायल पर मिसाइलों की बरसात कर दी है। सुरक्षा परिषद ने इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के शीर्ष अधिकारी को चेतावनी दी है कि न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमलों के %गंभीर परिणाम% हो सकते हैं। %आईएईए% के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा, ÷न्यूक्लियर फैसिलिटी की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली कोई भी सैन्य कार्रवाई ईरान, क्षेत्र और उससे बाहर के लोगों के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। आईएईए की जनरल काउंसिल ने कहा है कि न्यूक्लियर फैसिलिटी पर सैन्य हमले यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की अंडर सेक्रेटरी जनरल रोजमेरी डिकार्लो ने

ईरान के अनुरोध पर बुलाई गई काउंसिल की आपातकालीन बैठक में कहा, हमें हर कीमत पर बढ़ते संघर्ष से बचना चाहिए, जिसके वैश्विक परिणाम बहुत घातक होंगे।

रोजमेरी डिकार्लो ने कहा कि रविवार को ओमान में वाशिंगटन और तेहरान के बीच वार्ता फिर से शुरू होने के साथ ही महत्वपूर्ण कूटनीतिक घटनाक्रम के चलते इजरायल ने ईरान पर हमला किया। ईरान ने इस वार्ता से खुद को अलग कर लिया है। डिकार्लो ने कहा, ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम की शांतिपूर्ण प्रकृति को सुनिश्चित करने के लिए वार्ता के जरिए शांतिपूर्ण समाधान सबसे अच्छा विचार है। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मैककॉय पिट ने बताया कि अमेरिका अभी भी बातचीत को तैयार है। उन्होंने कहा, हम शांति चाहते हैं। जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- हिंसा खत्म होनी चाहिए और ईरान को एक समझौता करना चाहिए, ताकि कोई और मौत, कोई और विनाश न हो। संयुक्त राज्य अमेरिका एक राजनयिक समाधान की तलाश जारी रखेगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि ईरान कभी भी न्यूक्लियर वैपन हासिल न करे।

इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच नेपाली दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

काठमांडू। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच इजराइल में नेपाल के दूतावास ने एक सार्वजनिक परामर्श जारी कर इजराइल में रहने वाले नेपाली नागरिकों से अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने और सतर्क रहने का आग्रह किया है। दूतावास ने इजराइली होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ अपडेट रहने को कहा है। नेपाली नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे इजराइल के राष्ट्रीय आपातकालीन पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध नवीनतम दिशा-निर्देशों का पालन करें और आश्रयों या सुरक्षित शरण क्षेत्रों के करीब रहें दूतावास ने कहा, क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, इजराइली होम फ्रंट कमांड ने नए सार्वजनिक सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। हम सभी नेपाली भाइयों और बहनों से अनुरोध करते हैं कि वे नवीनतम स्थानीय सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में सूचित रहें, उन प्रोटोकॉल का पालन करें, और सुरक्षित शरण सुविधाओं वाले आश्रयों या क्षेत्रों के करीब रहें। यह परामर्श इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि के बाद आया है, जिसमें ईरान के अंदर हाल ही में इजराइली हमला भी शामिल है, जिससे संभावित संघर्ष वृद्धि के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। दूतावास इजराइल में नेपाली नागरिकों को अधिकतम सावधानी बरतने और निरंतर अपडेट के लिए दूतावास के अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए आग्रह किया गया है।

Nepal Embassy
ISRAEL

अहमदाबाद विमान दुर्घटना: काली पट्टी बांधेगा ब्रिटिश शाही परिवार, रखा जाएगा एक मिनट का मौन

एजेंसी

लंदन । ब्रिटिश शाही परिवार एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के सम्मान में वार्षिक 'ट्रूपिंग द कलर परेड' के दौरान काली पट्टी बांधेगा। इसके साथ ही एक मिनट का मौन रखा जाएगा। यह वार्षिक परेड किंग चार्ल्स के जन्मदिन के मौके पर आयोजित की जाती है, जिसमें 1,350 से अधिक सैनिक शामिल होते हैं। महल के प्रवक्ता के अनुसार, किंग इस भयानक त्रासदी में मारे गए लोगों, शोक में डूबे परिवारों और दुर्घटना से प्रभावित लोगों के सम्मान में अपने जन्मदिन की परेड में बदलाव चाहते थे। इससे पहले गुरुवार को किंग चार्ल्स एक बयान में इस विमान दुर्घटना पर दुख जता चुके हैं। जारी किए गए इस बयान में कहा गया है, अहमदाबाद में हुई भयानक घटना से मेरी पत्नी और मैं

बेहद सदमे में हैं। हमारी विशेष प्रार्थनाएं और गहरी सहानुभूति उन सभी परिवारों और दोस्तों के साथ है, जो इस भयावह घटना से इतने सारे देशों में प्रभावित हुए हैं, क्योंकि वे अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो इस कठिन समय में सहायता और समर्थन कर रहे हैं।÷ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित कई वैश्विक नेताओं ने अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद लंदन जाने वाले एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। दुर्घटना के बाद स्टार्मर ने एक्स पोस्ट में लिखा, आज का दिन कई ब्रिटिश और भारतीय परिवारों के लिए वाकई दिल दहला देने वाला है। मैं इस भयानक विमान दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। इसके अलावा, यूनाइटेड किंगडम की एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टिगेशन ब्रांच (एएआईबी) और यूनाइटेड स्टेट्स की फेडरल एविएशन एजेंसी (एफएए) ने दुर्घटना के बाद भारतीय अधिकारियों के साथ जांच में मदद की पेशकश की है लंदन जाने वाला बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान गुरुवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

श्रीलंका और जर्मनी ने साझा आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा की

एजेंसी

बर्लिन (जर्मनी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने जर्मनी की आधिकारिक यात्रा के दौरान कल यहां वाल्डोर्फ एस्टोरिया होटल में जर्मन संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्री रीम अलाबली-राडोवन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के सामने आने वाली साझा आर्थिक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया। श्रीलंका के अखबार डेली न्यूज की खबर के अनुसार, दिसानायके और राडोवन ने श्रीलंका और जर्मनी के बीच आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के संभावित क्षेत्रों पर व्यापक बातचीत की। राष्ट्रपति ने श्रीलंका और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय सहयोग के दीर्घकालिक इतिहास को स्वीकार किया। साथ ही सीलोन-जर्मन तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण

संस्थानों के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में जर्मनी के महत्वपूर्ण योगदान के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। बैठक में विदेश मामलों, विदेशी रोजगार और पर्यटन मंत्री विजिता हेराथ, जर्मनी में श्रीलंका के राजदूत वरुणी मुथुकुमारना और विदेश मंत्रालय में यूरोप और उत्तरी अमेरिका के महानिदेशक सुगीश्वर गुणरत्ना के साथ अन्य अधिकारी शामिल हुए।

राष्ट्रपति पेजेशकियन ने इजराइल से कहा- ईरान चुप नहीं बैठेगा, 'अपराध' पर पछतावा करना होगा

एजेंसी

तेहरान। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि इस्लामी गणतंत्र ईरान के खिलाफ किए गए 'अपराध' के लिए इजराइल को पछतावा करना होगा। ईरान हरगिज चुप नहीं बैठेगा। वह दंड देगा। इजराइल को इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने देश पर हुए हमले के बाद सरकारी टेलीविजन पर भाषण दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के लोग और फौज इजराइल के इस अपराध के सामने चुप नहीं रहेंगे। वह दुश्मन को उसकी मूर्खतापूर्ण कार्रवाई पर पछतावा करवा कर ही दम लेंगे उन्होंने कहा कि इजराइल ने आक्रामकता की हदें तोड़कर सभी अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का उल्लंघन किया है।

जायोनी शासन ने बच्चों का कत्ल कर शांति प्रिय देश के धैर्य की सीमा तोड़ दी है। इस्लामी गणराज्य ने अब तक दुनिया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए हर संभव प्रयास किया है। ईरान अपनी अखंडता की रक्षा करेगा। प्रेस टीवी ईरान के अनुसार, ईरान के रक्षामंत्री अजीज नसीरजादेह ने कहा कि इजराइल से ईरानी सशस्त्र बलों से सैन्य कमांडरों, वैज्ञानिकों और नागरिकों की हत्या का बदला लिया जाएगा।

ईरान का इजरायल की आवासीय इमारतों पर हमला, दो की मौत, कई लोग घायल

एजेंसी

तेल अवीव । इजरायल-ईरान में बढ़ते तनाव के बीच शनिवार को इजरायल में आवासीय इमारतों पर मिसाइल हमले किए गए, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। इनके अलावा 34 लोग घायल हो गए। मेगन डेविड एडोम (एमडीए) आपातकालीन चिकित्सा सेवा ने ईरान की ओर से हाल ही में दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले के बाद हताहतों की संख्या की पुष्टि की है। एमडीए के अनुसार, इन हमलों से भारी क्षति हुई है। मेडिकल टीम घायलों को लाइफ सेविंग ट्रीटमेंट देने के साथ उन्हें नजदीकी अस्पतालों में पहुंचा रही है।

एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, एमडीए की टीमों ने लाइफ सेविंग मेडिकल ट्रीटमेंट देकर 21 घायल लोगों को वोल्फसन, शेबा तेल हाशोमर और शमीर-असफ हारोफेह अस्पतालों में पहुंचाया है। हताहतों में 60 वर्षीय महिला थी। उनके अलावा करीब 45 साल के एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश की गई, लेकिन बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। करीब 60 वर्षीय एक अन्य

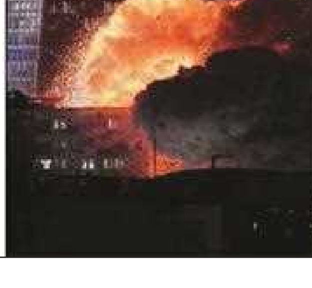

महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। दो लोग मामूली रूप से चोटिल हुए हैं, जबकि 16 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। एमडीए ने कहा कि एंग्जायटी से पीड़ित कई लोगों को भी घटनास्थल से निकाला गया है।

ईरान के प्रमुख महानगरीय क्षेत्र गुश दान में, एमडीए ने 34 घायल व्यक्तियों के इलाज करने और उन्हें अस्पतालों में पहुंचाने की सूचना दी है। इनमें लगभग 60 वर्षीय एक महिला शामिल थी, जिसे गंभीर हालत में बेइलिन्सन अस्पताल भेजा गया, लगभग 65 वर्षीय एक व्यक्ति को गंभीर हालत में शेबा मेडिकल सेंटर, करीब 50 वर्षीय एक महिला को शेबा, जबकि करीब 50 वर्षीय एक व्यक्ति को इचिलोव अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके अलावा 30 अन्य लोग जिन्हें हल्की चोटें आई, जिनका उपचार किया गया। एंग्जायटी से पीड़ित 13 लोगों को भी यहां से निकाला गया है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि ईरान ने इजरायली क्षेत्र पर मिसाइल हमलों की एक नई लहर शुरू की है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती शत्रुता के हफ्तों के बाद बढ़ते तनाव को दर्शाता है। इजरायली अधिकारियों ने देश को हाई अलर्ट पर रखा है। कई शहरी केंद्रों और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। इजरायली सरकार और सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर कड़ी नजर रख रही हैं। आपातकालीन सेवाएं खतरों से निपटने के लिए हाई अलर्ट पर हैं।

गैस से राहत दिलाता है पवनमुक्तासन

पीएम नरेंद्र मोदी की योगासनों की एनिमेटे सीरीज में शुक्रवार को पवनमुक्तासन के बारे में जानकारी दी गई। इस आसन को करने से पेट की कई तकलीफों से राहत मिलती है

और कमर व रीढ़ की हड्डी के लिए भी यह आसन फायदेमंद है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन बना रहता है। विभिन्न योगासनों पर आधारित सीरीज में पीएम मोदी के एनिमेटेड वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं, जिसमें वह हर दिन अलग-अलग योगासनों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हैं। आज जारी वीडियो सुबह 8.00 बजे शेयर किया गया। पीएम के इस वीडियो को अब तक 80 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इसे 15 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले चुके हैं और 3200 से ज्यादा बार रीट्वीट किया जा चुका है। पिछले साल भी योग दिवस से पहले पीएम ने योगासन करते हुए अपने कई वीडियो ट्वीट किए थे।

क्या है पवनमुक्तासन

पवनमुक्त का अर्थ है पवन या हवा को मुक्त करना। इस आसन पेट की वायु निकालने में मदद करता है, इसलिए इस आसन का नाम पवनमुक्तासन है।

पवनमुक्तासन के लाभ

पीठ व पेट कि मासपेशियों को मजबूत बनाता है। हाथों व पैरों की मासपेशियों को मजबूत बनाता है। पेट एवं दूसरे इन्द्रियों की मालिश करता है। पेट में से वायु को निकलता है और पाचन क्रिया में मदद करता है। रक्त परिसंचरण को बढ़ाता है और पीठ व कूल्हे के जोड़ के हिस्से को तनाव मुक्त करता है।

बारिश में छोटे बच्चों की देखभाल

बरसात यानी मॉनसून के मौसम में शिशु को की तरह की बीमारियों का खतरा होता है, जैसे- खांसी, जुकाम, बुखार, त्वचा पर दाने, त्वचा पर रैशेज, चकत्ते, इंफेक्शन आदि। इन सभी से बचाव के लिए जरूरी हैं कुछ मॉनसून स्पेशल बेबी केयर टिप्स, जानें इन्हें।

बारिश के मौसम (मॉनसून) में छोटे बच्चे बहुत ज्यादा बीमार होते हैं। इस मौसम में शिशुओं को बहुत ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। दरअसल तेज गर्मी के बीच अचानक बारिश के कारण तापमान जल्दी-जल्दी कम-ज्यादा होता रहता है और मौसम में नमी आ जाती है, जिसके कारण छोटे बच्चों में बुखार, खांसी, जुकाम, बैक्टीरियल एलर्जी, फंगल इंफेक्शन, दाद-खाज आदि का खतरा बढ़ जाता है। आइए आपको बताते हैं मॉनसून सीजन में छोटे बच्चों की देखभाल के लिए जरूरी टिप्स।

बच्चे को गीला न होने दें

मॉनसून के मौसम में बैक्टीरिया और वायरस बहुत ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, इसलिए जरूरी है कि आप बच्चों को गीला न होने दें। शिशु को बरसात के पानी में भीगने से बचाएं। इसके अलावा घर के बिस्तर, कपड़े, फर्श आदि को भी गीला होने से बचाएं। थोड़े-थोड़े समय में शिशु की नैपी/लंगोट चेक करते रहें। शिशु के पेशाब या पॉटी करने के बाद थोड़े समय में ही बैक्टीरिया एक्टिव हो जाते हैं और शिशु की नाजुक त्वचा पर हमला कर सकते हैं। कई बार गीलेपन के कारण बच्चों को जुकाम-बुखार जैसी समस्या भी हो जाती है। इसके अलावा अगर आपका बच्चा थोड़ा बड़ा है, तो उसे पानी में खेलने, कपड़े गीले करने, पांव और सिर गीला करने से रोकें। कुल मिलाकर कोशिश करें कि आपका बच्चा हमेशा सूखा रहे।

मच्छरों से बचाएं

बारिश के मौसम में शाम से ही मच्छर एक्टिव हो जाते हैं। ऐसे में शिशु को मच्छरों से बचाने के लिए दिन से ही घर के खिड़की-दरवाजों को बंद रखें और घर में पानी न जमा होने दें। अगर आपके आसपास मच्छर हैं, तो शिशु के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें। ध्यान रखें कि शिशु के कमरे में कॉइल या मॉस्कीटो रिपलेंट का प्रयोग न करें, क्योंकि इससे निकलने वाले धुंए शिशु के नाजुक फेफड़ों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। अगर लगा भी रहे हैं, कोशिश करें कि धुंए वाले ये प्रोडक्ट शिशु से अधिकतम दूरी पर हो और उसका धुंआ सीधे शिशु के नाक या मुंह के संपर्क में न आए।

शिशु के आसपास सफाई रखें

बारिश के मौसम में शिशु के शरीर के अलावा उसके आसपास सफाई रखना भी बहुत जरूरी है। दरअसल मौसम में नमी होने के कारण बैक्टीरिया की प्रजनन क्षमता काफी तेज हो जाती है। इसलिए उन्हें पनपने से रोकने के लिए साफ-सफाई बहुत जरूरी है। शिशु के कमरे में दिन में 2-3 बार पोछा लगाएं, ताकि मच्छर और दूसरे कीट-पतंग वहां न आएं। घर के कूड़ेदान, कूलर, किचन का सिंक, गैस आदि को अच्छी तरह साफ करें। इसके अलावा ध्यान रखें कि बचे हुए खाने को घर में जमा करके न रखें, बल्कि तुरंत बाहर फेंक दें या जानवर को खिला दें। घर के आसपास और घर के अंदर पानी न जमा होने दें, वर्ना डेंगू-मलेरिया फैलाने वाले मच्छर पनप जाएंगे।

घर की दीवार, खिड़कियां चेक कर लें

मॉनसून से पहले ही घर की दीवार और खिड़कियां जरूर चेक कर लें। दीवारों या छत पर आने वाली सीलन से भी कई तरह की बीमारियां फैलती हैं। बरसात के बाद यदि दीवारों में फफूंद और फंगस लग रही है, तो इसे तुरंत हटाएं और दीवार की मरम्मत करवाएं। गीले माहौल में रहने के कारण शिशु को सर्दी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारियों का खतरा तो होता ही है। इसके साथ ही कई बार वे किसी गंभीर बीमारी का भी शिकार हो सकते हैं।

एलर्जी चेक करते रहें

बारिश के मौसम में एलर्जी होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। इसलिए बच्चों के शरीर पर दिखने वाले छोटे मोटे रैशेज, दाद, खुजली आदि को नजरअंदाज न करें, क्योंकि ये तेजी से फैल सकता है। एलर्जी होने पर अपने मन से या मेडिकल स्टोर से खुद ही कोई क्रीम खरीदकर न लगाएं, क्योंकि शिशु की त्वचा वयस्कों से बहुत अलग और सेंसिटिव होती है। वयस्कों की क्रीम शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

रेसिपी

कटहल का अचार

सामग्री

■ कटहल-500 ग्राम ■ नमक- 1/2 कप ■ चीनी-1/2 कप ■ सिरका-1 कप ■ लहसुन की कलियां- 6-8 ■ लाल मिर्च पाउडर- 3 टीस्पून ■ राई- 2 टीस्पून ■ जीरा-1/2 टीस्पून ■ सौंठ पाउडर-1 टीस्पून ■ इलायची- 2 ■ लौंग- 2, दालचीनी-1 इंच का टुकड़ा

विधि

सबसे पहले हाथ में तेल लगाकर कटहल को धोकर छिल लें और उसमें नमक लगाकर दो से तीन दिन तक धूप में रखकर सूखा लें। तीसरे दिन एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें लहसुन डालकर फ्राई कर ले। अब उसमें सूखा हुआ कटहल और सभी मसाले डालकर मिक्स करें। इसके बाद इसमें सिरका डालकर अच्छे से मिक्स करके दो मिनट तक पका लें। फिर इसे ठंडा करके जार में भरकर 7-8 दिनों तक धूप में रख दें। इसके बाद इसे सर्व करें।

दही कबाब

सामग्री

■ चार कप गाढ़ा दही ■ दो प्याज
■ एक अदरक का टुकड़ा ■ 3 हरी मिर्च
■ आधा चम्मच हल्दी पावडर ■ आधा चम्मच लाल मिर्च पावडर, गर्म मसाला, कसूरी मैथी
■ दो चम्मच धनिया पत्ती
■ एक कप कॉर्नफ्लोर
■ दो टमाटर के स्लाइस
■ एक कप ब्रेड क्रम्ब्स
■ तेल ■ नमक स्वादानुसार।

विधि

दही कबाब बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में दही के साथ बारीक कटा हुआ प्याज, अदरक और हरी मिर्च डाल लें। इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पावडर, कसूरी मैथी, गर्म मसला और धानिया पत्ती डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब कॉर्नफ्लोर डालें और बराबर भाग में बांटकर मनचाहा आकार दें। कबाब को ब्रेड क्रम्ब्स में रोल करें। सभी कबाब को तेल में सुनहरा होने तक तल लें। अब प्लेट में निकालकर मनपसंद चटनी के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेंगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नीद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से)- तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से)- मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से)- मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - '4085

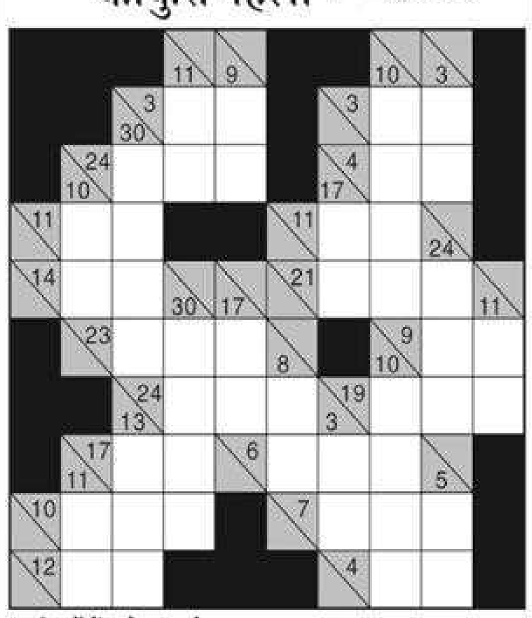

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

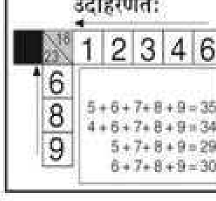

काकुरो -4084 का हल

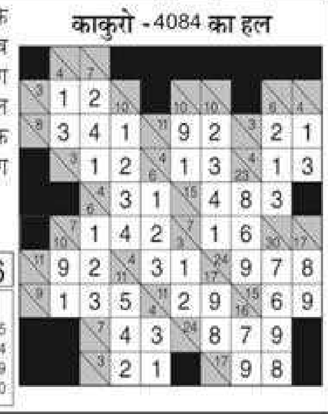

फिल्म वर्ग पहेली- '4085

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओढ़ारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पहु गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तुने जो' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4084

सूडोकु 4085

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4084 हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 4085

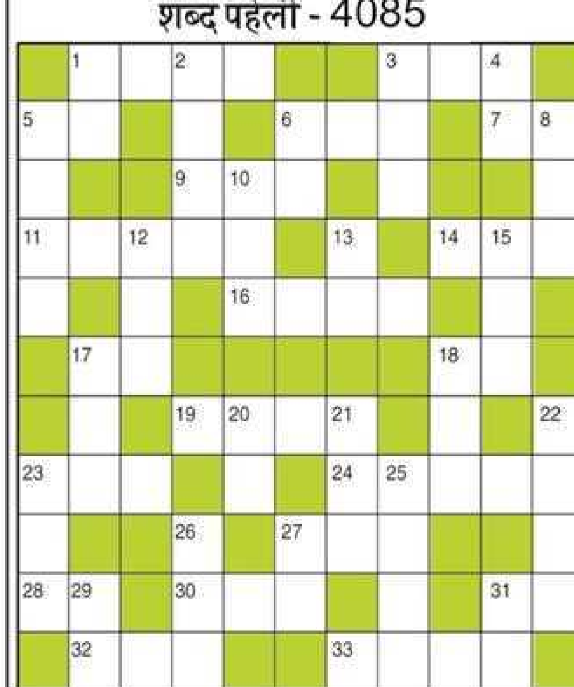

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमींकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पेंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -4084 का हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेल: lokparerna@gmail.com, फोन: 01252-259260, संपादक: श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।